हरिभूमि
रायपुर भूमि

सड्डू में जमीन के लिए सर्वे

आगामी तीन दशक में पानी की जरूरत का आकलन कर लगाएंगे नया प्लांट

74 साल पुराना है शहर का इकलौता फिल्टर प्लांट

शहर बढ़ रहा, गांव भी हो रहे शामिल, मौजूदा फिल्टर प्लांट नाकाफी, इसलिए 100 एमएलडी का नया प्लांट लगेगा

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के जल विभाग आगामी तीन दशक में होने वाली पानी की जरूरत को देखते हुए शहर के आउटर में एक नया फिल्टर प्लांट बनवाने की कवायद में है। इसके लिए कचना और सड्डू क्षेत्र में 3 संभावित जगहों पर जमीन का सर्वे किया है। निगम के जल विभाग ने संबंधित जोन के अफसरों को जमीन से संबंधित जानकारी जुटाने पत्र लिखा है, जो कि संबंधित तहसीलदार और पटवारी से जमीन की जानकारी लेकर जल विभाग को उपलब्ध कराएंगे। इसके बाद तय किया जाएगा कि इन तीनों में से कौन-सी जगह नए फिल्टर प्लांट के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त होगी। दरअसल रायपुर शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी को ध्यान में रखकर निगम के जल विभाग ने नए फिल्टर प्लांट का प्रस्ताव बनाया है। ▶▶|शेष पेज 12 पर

नए फिल्टर प्लांट का प्रस्ताव

शहर की बढ़ती जनसंख्या और क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए एक अतिरिक्त फिल्टर प्लांट जरूरी है। जल विभाग ने 100 एमएलडी के नए प्लांट का प्रस्ताव बनाया है। इसके लिए सर्वे कर जगह चिन्हांकित कर ली गई है। जमीन सरकारी है या निजी, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। राज्य शासन के पास प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

- **मीनल चौबे**, महापौर, ननि रायपुर

फैक्ट फाइल

नए प्लांट के लिए 100 से 125 एमएलडी प्रतिदिन पानी की जरूरत

नगर निगम का दूसरा फिल्टर प्लांट रायपुर शहर के उत्तरी हिस्से यानी कचना-सड्डू विधानसभा क्षेत्र में होगा। नए प्लांट के लिए निगम जल विभाग को प्रतिदिन 100 से 125 एमएलडी रॉ वाटर की जरूरत होगी। प्लांट के लिए खारुन नदी से पानी लिया जाएगा। इसलिए पानी की उपलब्धता और स्टोरेज क्षमता के आधार पर जल संसाधन विभाग इसकी अनुमति देगा।

गंगरेल डेम में शहर के लिए 2 टीएमसी रॉ-वाटर सुरक्षित

गंगरेल से रायपुर शहर के पेयजल जरूरत को ध्यान में रखते हुए 2 टीएमसी रॉ-वाटर जल संसाधन विभाग द्वारा सुरक्षित रखा जा रहा है, इसके लिए निगम के जल विभाग ने पूर्व में ही एग्रीमेंट कर लिया है। गंगरेल बांध से नहर के जरिए यह पानी जीवनदायिनी खारुन नदी में आता है और नदी से इंटेकवेल के जरिए नगर निगम पानी लेता है। यही रॉ-वाटर जल शुद्धिकरण संयंत्र से फिल्टर होकर शहर की 43 नई व पुरानी पानी टंकी के जरिए 70 वार्डों में आपूर्ति की जाती है।

खबर संक्षेप

दिल्ली-रायपुर के बीच 7वीं फ्लाइट 26 से ट्रेक पर

रायपुर। बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए ठंड के मौसम में इंडिगो एयरलाइंस दिल्ली-रायपुर के बीच अपनी पांचवीं फ्लाइट की शुरुआत करने की तैयारी में है। एयर इंडिया की दो फ्लाइट मिलाकर इस सेक्टर में नियमित रूप से 7 फ्लाइट संचालित होंगी। नई फ्लाइट दोपहर सवा 12 बजे रायपुर आकर 12.45 बजे वापसी के लिए उड़ान भरेगी। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से प्रतिदिन दिल्ली के लिए इंडिगो की 4 और एयर इंडिया की 2 फ्लाइट आवाजाही करती हैं। इतनी संख्या में उड़ानें संचालित होने के बाद भी इस सेक्टर का किराया अधिक होता है। ठंड के मौसम में अच्छे ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए इंडिगो ने 26 अक्टूबर से अपनी नई फ्लाइट शुरू करने की घोषणा की है। शेड्यूल जारी होने के साथ इसके लिए टिकट बुकिंग भी प्रारंभ की गई है। जानकारी के अनुसार, यह फ्लाइट 6ई 2120 के रूप में दिल्ली से सुबह 10.15 बजे उड़कर 12.15 बजे रायपुर पहुंचेगी। यहां से दोपहर 12.45 बजे टेकऑफ कर दोपहर 2.45 बजे दिल्ली में लैंड होगी। इसके अलावा मुंबई की चौथी और भोपाल की दूसरी फ्लाइट भी प्रस्तावित है, मगर उसका शेड्यूल जारी नहीं किया गया है।

नाबालिग की तालाब में डूबने से मौत

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र में तालाब में नहाने गए एक 17 वर्षीय नाबालिग की तालाब में डूबने से मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम को दो घंटे की मशक्कत के बाद मृतक की लाश तालाब से बाहर निकालने में कामयाबी मिली। तालाब में डूबने से टिकेश्वर ध्रुव की मौत हुई है। टिकेश्वर तालाब में नहाने के लिए गया था। उसे तालाब में पानी की गहराई का अंदाजा नहीं था। वह तैरना नहीं जानता था। पानी की गहराई में जाने के बाद टिकेश्वर तालाब से बाहर नहीं निकल पाया और उसकी डूबने से मौत हो गई।

काम करने आई महिला ने घर में की चोरी

रायपुर। आमानाका थाने में एक कारोबारी ने अज्ञात महिला के खिलाफ सोने की चेन चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। टाटीबंध पार्थवि पैसिफिक निवासी अभिमन्यु गुप्ता ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। अभिमन्यु ने पुलिस को बताया कि घर में काम वाली बाई के नहीं आने पर उसने गार्ड के कहने पर एक महिला को घर में काम करने के लिए बुलाया था। महिला टेबल पर रखी अभिमन्यु की मां की सोने की चेन चोरी कर ले गई। गार्ड की मदद से पुलिस महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

मैट्रिमोनियल साइट बनाकर जालसाजों ने ठग लिए 6 करोड़

गोल चौक कटोरा तालाब में ऑफिस खोल कर संचालित कर रहे थे ठगी की दुकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेंज साइबर पुलिस ने पहली बार एपीके फाइल भेजकर लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ठगी करने के आरोप में रेंज साइबर पुलिस ने ओडिशा, गुजरात तथा रायपुर, बिलासपुर से चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जालसाज रायपुर के गोल चौक तथा कटोरा तालाब में मैट्रिमोनियल साइट चलाने बकायदा ऑफिस खोलकर लोगों के साथ ठगी कर रहे थे। ठगी की रकम का ट्रांजेक्शन कर म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल कर रहे थे। जालसाजों द्वारा देश के अलग-अलग राज्यों में अब तक छह करोड़ रुपए ठगी करने की जानकारी मिली है। उनके कब्जे से पुलिस ने 60 बैंक अकाउंट किट जब्त किए हैं। आरोपियों ने पांच सौ से ज्यादा म्यूल अकाउंट में ठगी की रकम ट्रांसफर की है। ठगी के आरोप में रेंज साइबर पुलिस ने ओडिशा, बलांगीर निवासी गजसिंघ सुना, गुजरात द्वारिका निवासी भीखू सचदेव, बिलासपुर, तखतपुर निवासी साहिल कौशिक तथा रायपुर कटोरा तालाब निवासी हर्षित शर्मा को गिरफ्तार किया है। रेंज साइबर पुलिस के अनुसार, डीडीनगर में 79 तथा आजाद चौक थाने में 17 म्यूल अकाउंट के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट की जांच के दौरान रेंज साइबर पुलिस ने इन म्यूल अकाउंट में रायपुर के अलग-अलग बैंकों से लाखों रुपए ट्रांजेक्शन होना पाया। इसके बाद रेंज साइबर पुलिस ने जिन लोगों द्वारा रकम ट्रांसफर की गई है, उनके बारे में जानकारी जुटाई। जांच में मैट्रिमोनियल साइट द्वारा रकम ट्रांसफर करने की जानकारी मिली।

- **चीन से कमीशन पर एपीके फाइल लेकर आमजनों के साथ कर रहे थे ठगी**

रिश्ते कराएं संभलकर...

ई-रिश्ता डॉट कॉम, जीवन जोड़ी तथा रॉयल रिश्ते डॉट कॉम के जरिए फांसा, एपीके फाइल भेजकर की ठगी, 4 गिरफ्तार

इन तीन नामों से संचालित मैट्रिमोनियल साइट

जांच में पता चला कि जालसाज ई-रिश्ता डॉट कॉम के अलावा जीवन जोड़ी तथा रॉयल रिश्ते डॉट कॉम के नाम से साइट बनाकर लोगों के साथ ठगी कर रहे थे। अपनी इन फर्जी वेबसाइट्स के माध्यम से जालसाज लोगों को वर-वधू के फर्जी फोटो ऑनलाइन दिखाकर ठगी का शिकार बना रहे थे। जालसाजी की घटना में शामिल दो अन्य जालसाजों की रेंज साइबर पुलिस पतासाजी कर रही है।

ऐसे करते थे ठगी

जालसाज लोगों के पास ऑनलाइन संपर्क करते थे। रिश्ता तय करने के एवज में जो फीस की राशि ली जाती थी, वह जालसाज ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करते थे। रिश्ता तय करने लोगों को अपनी मैट्रिमोनियल साइट में जुड़ने के लिए कहते थे। जो जुड़ने के लिए इच्छुक होते थे, उन्हें जालसाज एपीके फाइल भेज रकम ट्रांसफर करने के लिए कहते थे। कोई रकम ट्रांसफर करता था तो जालसाज मोबाइल हैक कर देख लेते थे।

चीन भेजते थे कमीशन

रेंज साइबर पुलिस ने अपनी जांच में पाया है कि जालसाज ठगी करने चाइनीज एपीके फाइल का उपयोग करते थे। एपीके फाइल उपयोग करने के एवज में जालसाज चीन में बैठे लोगों को ठगी की रकम में से 20 से 30 प्रतिशत राशि कमीशन के तौर पर देते थे। जालसाज रायपुर में पिछले एक वर्ष से ऑफिस खोल ठगी की दुकान चला रहे थे। देश के अलग-अलग राज्यों के पांच सौ से ज्यादा लोगों को ठगी का शिकार बना चुके हैं।

नॉन इंटरलॉकिंग के चलते बिगड़ी ट्रेनों की चाल, 6 से 10 घंटे तक लेट झारसुगुड़ा से गड़बड़ा रही टाइमिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेल पटरियों पर लगातार निर्माण कार्य के कारण एक बार फिर ट्रेनों की चाल बिगड़ गई है। शनिवार और रविवार को भी यही हाल रहा। सुबह 8 बजे बिलासपुर पहुंचने वाली हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस और समरसता एक्सप्रेस 10-10 घंटे की देरी से शाम को स्टेशन पहुंचीं। इसके अलावा अहमदाबाद, दुरंतो, सुपर डीलक्स समेत करीब आधा दर्जन ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों लेट आकर रवाना हुईं। मुंबई-हावड़ा रूट पर बिलासपुर से झारसुगुड़ा तक चौथी लाइन का कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है, लेकिन झारसुगुड़ा से हावड़ा तक अभी तीसरी लाइन का काम ही अधूरा है। इसी तरह चक्रधरपुर, खड़गपुर और रांची की ओर तीसरी ▶▶|शेष पेज 12 पर

- **नियमित ट्रेनों के साथ रेलवे की प्रीमियम ट्रेनें भी लेटलतीफी से दौड़ रहीं**

ये ट्रेनें शनिवार को देर से पहुंचीं

- हावड़ा-मुंबई मेल : 3.30 घंटे
- हावड़ा-मुंबई समरसता एक्सप्रेस : 10 घंटे
- हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस : 10 घंटे
- हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस : 3 घंटे
- हावड़ा-पुणे दुरंतो एक्सप्रेस : 3.30 घंटे
- पुरी-ऋषिकेश कलिंग उत्कल एक्सप्रेस : 3 घंटे
- आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस : 3 घंटे
- एलटीटी-हावड़ा ज्ञानेश्वरी सुपर डीलक्स : 5 घंटे

झारसुगुड़ा के बाद से लेट हो रहीं गाड़ियां

मुंबई रूट से आने वाली ट्रेनें अक्सर रायपुर तक अपने तय समय पर पहुंच जाती हैं, लेकिन झारसुगुड़ा पहुंचने के बाद उनकी चाल बिगड़ जाती है। हावड़ा पहुंचते-पहुंचते ये ट्रेनें 3 से 4 घंटे लेट हो जाती हैं। फिर उतने ही विलंब से इन्हें हावड़ा से पुणे, मुंबई या अहमदाबाद रूट पर रवाना किया जाता है। वापसी में मुंबई, पुणे, अहमदाबाद तक पहुंचते-पहुंचते ये अपनी लेटलतीफी काफी हद तक कम कर लेती हैं, पर दूसरे दिन की यात्रा में फिर देरी हो जाती है।

पांचवी-आठवीं की बोर्ड परीक्षा पर फिर पेंच, नहीं मिली किताबें इसलिए निजी प्रकाशन से पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पांचवी-आठवीं की बोर्ड परीक्षा में निजी स्कूलों के शामिल होने को लेकर एक बार फिर पेंच फंस गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गत शैक्षणिक सत्र से पांचवी-आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत की गई है। छग पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित किताब आधारित सवाल इन परीक्षाओं में पूछे जाते हैं। निजी विद्यालयों को अब तक पापुनि की किताबें नहीं मिल सकी हैं। ऐसे में यहां निजी प्रकाशकों की किताबों से ही पढ़ाई हो रही है। निजी स्कूल अब कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मत है कि जब किताबें तय समय पर नहीं मिल सकीं तो उन्हें एकीकृत बोर्ड परीक्षा से छूट दी जाए तथा अपने स्तर पर परीक्षा लेने की अनुमति मिले। गौरतलब है कि पिछले सत्र में भी स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी और शासकीय दोनों ही विद्यालयों के लिए बोर्ड परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य किया था। इस आदेश के खिलाफ भी निजी ▶▶|शेष पेज 12 पर

- **पिछले सत्र में सिर्फ शासकीय विद्यालय ही शामिल हुए थे 5वीं-8वीं की बोर्ड परीक्षा**

किताब ही नहीं

शासकीय विद्यालयों को ही किताबें मिली हैं। निजी स्कूल अब भी भटक रहे हैं। किताब ही नहीं रहेगी तो परीक्षा की तैयारी कहां से करवाएंगे?

-**राजीव गुप्ता**, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

प्रारंभ में ही अधिसूचना

चूंकि पिछले सत्र में वार्षिक परीक्षा के दौरान कई तरह के विवाद से गुजरना पड़ा था, इसलिए इस वर्ष सत्र प्रारंभ होते ही जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई थी। इसमें स्पष्ट किया गया था कि निजी स्कूलों के लिए भी शासन द्वारा आयोजित एकीकृत बोर्ड परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि दशक भर से अधिक समय के बाद शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पांचवी-आठवीं बोर्ड परीक्षा दोबारा शुरू की गई। शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और छात्रों का प्रदर्शन बेहतर करने के लिए बोर्ड परीक्षा प्रणाली पुनः अपनाई गई। इस बदलाव को फिलहाल जारी रखने की तैयारी है। शासन सहित कई एनजीओ द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले सर्वे में यह बात सामने आते रही है कि नवमी कक्षा में प्रवेश के बाद भी छात्र लिखने और पढ़ने में सक्षम नहीं हैं।

डूमरतराई में कोटवारी जमीन पर बनी दीवार बुलडोजर से ढहाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर से लगे नगर निगम जोन-10 के डूमरतराई इलाके में जिला प्रशासन ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। करीब 20 हजार वर्गफीट कोटवारी जमीन पर कब्जा कर की जा रही अवैध प्लाटिंग में निर्मित बाउंड्रीवॉल बुलडोजर से ढहा दिया गया।साथ ही बिना अनुमति चौकीदार के लिए बनाए गए अवैध क्वार्टर को भी ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई रायपुर तहसीलदार राममूर्ति दीवान के मार्गदर्शन में जोन-10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे, वार्ड पार्षद मनोज जांगड़े और सहायक अभियंता योगेश यदु, समयपाल जितेंद्र कौशिक की उपस्थिति में टीम प्रहरी अभियान के तहत की गई। दरअसल रायपुर ▶▶|शेष पेज 12 पर

- **20 हजार वर्गफीट जमीन पर अवैध प्लाटिंग की कलेक्टर से शिकायत पर लिया संज्ञान**

कार्यालय संचालक, पैरामेडिकलकोर्स

NSDC-SDMS केंद्र क्र. 86549

एकवर्षीय/द्विवर्षीय डिप्लोमा/पोस्ट डिप्लोमा कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

निम्नतालिका अनुसार के विभिन्न संभागों के विभिन्न जिलों में वे किसी भी विषय में प्राप्तांकों के अनुसार के द्वारा प्रमाणित विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में हेतु आवेदन आमंत्रित है।

जिलों का नाम	(DMLT) डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निक	(OT) पोस्ट डिप्लोमा इन ओटी टेक्निक	(DIALYSIS) डिप्लोमा इन डायलिसिस	(NURSING SUPERVISOR) डिप्लोमा इन नर्सिंग सुपरवाईजर	(NURSING ASSISTANT) नर्सिंग असिस्टेंट	(WARD BOY) वार्ड ब्वॉय	(DRESSER) ड्रेसर
धमतरी	20	20	10	10	20	20	10
रायपुर	60	30	30	60	60	30	25
बिलासपुर	30	20	20	60	60	30	25
जांजगीर	30	30	10	60	60	10	25
सरायपाली	30	20	10	60	60	20	25

आवेदन हेतु 10 वीं, 12वीं कक्षा फेल, किसी भी ग्रुप वाले, जो हेल्थकेयर क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। जो छात्र पढ़ाई छोड़ चुके हैं वे आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार को वाट्सअप नं. पर काऊंसिलिंग हेतु सूचित किया जायेगा। (वाट्सअप नम्बर अनिवार्य है।) आवेदक को अपने अभिभावक के साथ आना अनिवार्य है।

नोट :- (1) आवेदक निम्न दिए गए आवेदन पत्र को कम्प्यूटर द्वारा टाइप कराकर पूर्ण विवरण अपने हाथों से भरें और अपना स्वयं का पता स्पष्ट पूरा पिन कोड लिखकर रजिस्ट्री द्वारा निम्न पते पर भेजें। आवेदन पोस्ट द्वारा नियत तिथि तक ही स्वीकार किया जायेगा। चयनित उम्मीदवारों को कॉल लेटर द्वारा काउसिलिंग हेतु सूचित किया जायेगा। (2) केवल आवेदक ही काउंसिलिंग में प्रवेश हेतु पात्र होंगे। (3) सभी जिलों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। (4) विद्याकौशल के माध्यम से शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध है।

आवेदक पत्र डाक द्वारा भेजने की अंतिम तिथि - 30.10.2025
आवेदक पत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि - 10.11.2025

प्रति,
कार्यसंचालक (NSDC)
मॉडर्न नालेज एजुकेशन
शीतला चौक, जलगृह मार्ग रोड़,
भाठागांव रायपुर (छ.ग.) पिन-492013

प्रति,
कार्य संचालक पैरामेडिकलकोर्स

महोदय,

........................पाठ्यक्रम में चयन हेतु मैं अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा रही हूँ।

1. आवेदक का नाम ....
2. पिता/पति का नाम ....
3. जन्मतिथि अंकों में ....
4. अनु. जाति /अनु. जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग ....
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित ....
   मोबाइल नंबर ....
6. केंद्र का नाम जहां चयन पश्चात प्रवेश लेना चाहते है ....
7. शैक्षणिक योग्यता ....

Skill India

नोट : - (1) आवेदक द्वारा एक ही फॉर्म में यदि वे एक से अधिक कोर्स का चयन करते हैं तो (ऑब्लिक (/) करके या (,) का प्रयोग कर सकता है। (2) पूर्व में आवेदन किये हुए अभ्यर्थी फिर से आवेदन ना करें। (3) जो काउंसिलिंग में उपस्थिति दे पायें वे ही आवेदन करें।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

छात्र तय समय पर नहीं लिख सके असाइनमेंट, बढ़ाई गई अंतिम तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने दिसंबर-2025 टर्म-एंड परीक्षा के लिए असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब सभी विद्यार्थियों के लिए असाइनमेंट जमा करने की नई अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। स्टूडेंट्स अब ओडीएल, ऑनलाइन प्रोग्राम्स, जीओएएल और ईवीबीबी के लिए अपने असाइनमेंट नई तिथि तक जमा कर सकते हैं। यह छूट हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी दोनों पर लागू होगी। इग्नू के स्टूडेंट इवैल्युएशन डिवीजन द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, यह फैसला सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी के बाद लिया गया है। इससे उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश तय समय में असाइनमेंट जमा नहीं कर पाए थे।

विवि प्रबंधन का कहना है, अंतिम तिथि में छूट से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिससे वे अपनी तैयारियां पूरी कर ▶▶|शेष पेज 12 पर

- **अब 31 अक्टूबर तक असाइनमेंट जमा कर सकेंगे विद्यार्थी**

खबर संक्षेप

ग्रामसभा में दी सामाजिक अंकेक्षण की जानकारी

आरंग। ग्राम पंचायत गुल्लू में शासन के निर्देशानुसार सरपंच हर्षा चंद्रशेखर साहू, उपसरपंच योगेश्वर साहू एवं पंचगणो की उपस्थिति में विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई, जिसमे जिले के शालाओं के सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम को एजेण्डा में शामिल करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुल्लू के टीम लीडर के रूप में शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने उपस्थित होकर मुख्य मंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत सामाजिक अंकेक्षण के आयोजन एवं शाला के स्तर अनुरूप अंकेक्षण के प्रारूप (रूब्रिक्स) के प्रयोग के संबंध मे विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की।

सर्पदंश से युवती की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। बांदे थानांतर्गत 20 वर्षीय रिया डे को साप ने काट लिया था। जहर शरीर में फैल जाने से उसकी 24 सितंबर को मौत हो गई। पीव्ही 39 निवासी प्रभाकर मृघा ने पुलिस को बताया कि मृतक को सांप ने काटा था, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

निगम, मंडल, आयोग में नियुक्ति की दूसरी सूची अब तक फंसी

रायपुर। निगम, मंडल, आयोग और बोर्ड में बचे पदों के लिए भाजपा नेताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पहली सूची इस साल अप्रैल में नवरात्रि के समय आई थी। संभावना जताई जा रही थी कि चैत्र नवरात्रि में दूसरी सूची आ सकती है, लेकिन नवरात्रि समाप्त हो गई पर दूसरी सूची नहीं आई है। वैसे दूसरी सूची के ज्यादातर पदों के लिए नामों पर मंथन हो गया है और राष्ट्रीय नेताओं के साथ चर्चा भी हो गई है। लेकिन सूची जारी कब होगी, यह किसी को मालूम नहीं है।

रामलीला में रोजवुड कालोनी के बच्चों ने यादगार अभिनय किया, वाहवाही बटोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

बोरियाकला स्थित रोज़वुड कॉलोनी में इस वर्ष भव्य रामलीला महोत्सव–2025 एवं रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रभु श्रीराम के आदर्शों को मंच के माध्यम से जीवंत होते देखा। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया ने उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठ सदस्यों, मातृशक्ति और युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज में एकता, प्रेम और सहयोग की भावना का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों और कॉलोनीवासियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की और प्रभु श्रीराम के आदर्शों का पालन जीवन में करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की सफलता में कार्यकारी अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री राकेश दास वैष्णव का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू संचालन और सभी गतिविधियों को प्रभावशाली बनाने के लिए विशेष प्रयास किए। इसके अलावा डॉ. कविता कोसरिया द्वारा मंच संचालन में निपुणता और सहजता दिखाई गई, जिसने दर्शकों और प्रतिभागियों दोनों का अनुभव और भी मनोरंजक बना दिया। कार्यक्रम की तैयारी में खुशबू शर्मा, दीपिका साहू और निशि प्रकाश ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रभु श्री राम के आदर्शों को हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए : कोसरिया

श्रीरामचरित मानस ग्रंथ का मानस ने दी सौगात

आरंग। राजा मोरध्वज आध्यात्मिक धार्मिक सामाजिक मानस संगठन आरंग के द्वारा विगत समय से सामाजिक पारिवारिक धार्मिक उत्सव गृह प्रवेश, जन्म उत्सव, विवाह आदि में तुलसीदास चरित रामायण ग्रन्थ उपहार स्वरूप दिए जा रहे हैं। मानस संगठन सलाहकार सदस्य बैहार निवासी पूर्व ग्रामीण साहू समाज अध्यक्ष विष्णु प्रसाद साहू के यहां जन्म उत्सव छठी आयोजन के आमंत्रण पर रविवार को मानस लोधी अशोक साहू, अवध विश्वकर्मा, ओंकार विश्वकर्मा, लोकेश मिर्धा उपेंद्र साहू, हीरा लाल साहू, विनोद गुप्ता गुरुजी, टोकेश साहू, देवशरण साहू, लक्ष्मीनाथ साहू, सीताराम यादव आदि पदाधिकारी सदस्य गणों के द्वारा श्री राम चरित्र मानस ग्रन्थ उपहार स्वरूप भेंट कर सम्मान किया गया। जिससे परिवार और समाज को प्रेरणा मिले।

ये रहे शामिल

रामलीला मंचन में बच्चों ने उत्कृष्ट अभिनय प्रस्तुत कर रामायण के आदर्शों को जीवंत कर दिया। मुख्य भूमिकाओं में श्रीराम – अंतरिक्ष, लक्ष्मण – अभिनव (अंश), हनुमान – अंश, सीता – समीक्षा एवं रिया, राजा दशरथ एवं जनक – मयूर, बाली – कोशिका, सुग्रीव – अंशिका (टीशा), विभीषण – अर्णव, ऋषि – वंशिका एवं समीक्षा, राक्षस सैनिक तथा नल-नील – वंश एवं विवान, वानर सैनिक – अथर्व यादव, सूर्पनखा – आकृति (टिया), संदेश वाहक दासी – श्रेया एवं आव्या, मरीच एवं राजा – आध्या साहू, बाल राम-लक्ष्मण, भारत-शत्रुघ्न – गीतांश एवं रुद्र और रावण – सजल शामिल थे। तकनीकी सहयोग और तैयारी में आद्या सिंह, सजल, समीक्षा, रिया और मयूर ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यकारी अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

मौसम : बेमौसम बारसात ने किसानों को चिंता में डाला, उत्पादन में कमी आएगी

क्वांर में झमाझम बारिश से धान की बालियां झड़ीं और कीट प्रकोप बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

■ हरुना धान की कटाई में होगी परेशानी, खेतों में पानी भरे

मानसून की विदाई से पूर्व हो रही लगातार झमाझम बारिश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। जहां एक ओर खेतों में लगातार बनी बदली और नमी से कीट प्रकोप में तेजी आई है, वहीं दूसरी ओर कटाई के लिए तैयार धान की फसल पर पानी और तेज हवा की दोहरी मार पड़ रही है। खेती योग्य क्षेत्रों में इस समय जल्दी पकने वाली धान की बालियां निकल रही हैं। जैसे-जैसे बालियां निकल रही हैं, वैसे-वैसे तना छेदक कीट का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। कीटों के हमले से कई पौधों की बालियां बदरा (सूखी व निष्फल बालियां) में परिवर्तित हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है।

किसान अब विवश होकर तना छेदक के नियंत्रण हेतु दवा छिड़काव करने को मजबूर हैं, ताकि फसल को कुछ हद तक बचाया जा सके। इधर लगभग 10-15 दिनों से लगातार चल रही तेज हवा और हो रही बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसल झुककर पानी में लिपट गई है। कई स्थानों पर धान पौधों का तना संभल नहीं पा रहा और खेतों में भरे पानी में पूरी फसल डूबी पड़ी है। इससे दाने के सड़ने और पौधों के गलने का खतरा बढ़ गया है।

सर्वाधिक पीड़ित गांव

ग्राम लखौली, कुकरा, नारा, फरफौद, गुजरा धमनी पलौद भानसोज डीघारी खम्हरिया टेकारी संडी जरौद फरफौद सहित आसपास के इलाकों के किसानों ने बताया कि भूरा माहो जैसे कीट प्रकोप से अभी उभरे ही नही है अब तना छेदक और गर्भवती (गर्भोट) अवस्था में झुकती फसल ने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। खेतों में लगातार नमी और धूप न निकलने से रोग फैलने की संभावना भी तेजी से बढ़ रही है।किसानों का कहना है कि खेतों में पानी भरा रहने के कारण दवा छिड़काव और कटाई की तैयारी करना मुश्किल हो गया है। मशीनें खेत में नहीं उतर पा रहीं और मौसम के मिजाज ने पूरी मेहनत पर पानी फेरने की स्थिति बना दी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी है कि खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें और कीट नियंत्रण हेतु अनुशंसित दवाओं का छिड़काव करें, ताकि फसल को बचाया जा सके।कुल मिलाकर, इस बार की बारिश किसानों के लिए राहत नहीं, बल्कि आफत बनकर आयी है।

दीपावली से पहले बाजारों में सन्नाटा किसानों की चिंता ने रोकी दी ग्राहकी

आरंग। दीपावली जैसे बड़े पर्व में अब पखवाड़े भर का ही समय बाकी है, लेकिन बाजारों में उस तरह की रौनक नजर नहीं आ रही जो हर साल इन दिनों देखने को मिलती थी। ग्रामीण अंचलों से लेकर कस्बाई बाजारों तक दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में दिन बिता रहे हैं। कई व्यापारियों ने दीपावली को ध्यान में रखते हुए जैसे-तैसे पूंजी की व्यवस्था कर पटाखे, सजावटी सामग्री, परिधान, मिठाई और उपहारों का पर्याप्त स्टॉक तैयार किया है, परंतु बाजारों में ग्राहकी न के बराबर है। पिछले करीब 15 से 20 दिनों से लगातार समय-बेसमय हो रही बारिश ने न केवल किसानों की फसलों पर असर डाला है, बल्कि बाजार की रफ्तार को भी थाम दिया है। खेतों में धान की बालियों पर तना छेदक जैसे कीटों का प्रकोप बढ़ने से किसान फसल बचाने में जुटे हैं। नतीजतन उनका ध्यान दीपावली की तैयारी या खरीदारी पर नहीं जा पा रहा है।किसानों का कहना है कि फिलहाल उनकी सबसे बड़ी चिंता फसल को बचाने की है। बारिश और कीट प्रकोप से उत्पादन पर असर पड़ने का डर है, जिससे लागत निकलना भी मुश्किल हो सकता है। वहीं, दवा और मजदूरी का खर्च बढ़ने से किसानों की जेब ढीली हो गई है।

अवैध शराब जब्त दो लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

मुखबिर की सूचना पर नेवरा पुलिस ने अलग-अलग दो जगहो से अवैध शराब बिक्री करते दो लोगों को गिरफ्तार कर अवैध शराब व बिक्री रकम जप्त की गई है, नेवरा पुलिस ने बताया ग्राम अल्दा में विवेक पोल्ट्री फार्म के पास भाठा में अवैध शराब बिक्री करते साहिल ध्रुव उम्र 18 वर्ष ग्राम केवंतरा निवासी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चूमड़ी के अंदर रखें 26 पौव्वा देसी मदिरा मसाला शराब व बिक्री रकम 600 नगद को जप्त किया गया।।

इसी तरह से सासाहोली तिल्दा शमशान घाट मैदान के पास अवैध शराब बिक्री करते एवन कुमार साहू 45 वर्ष वार्ड क्रमांक 21 तिल्दा निवासी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखें 26 पौव्वा देसी मदिरा मसाला शराब व बिक्री रकम 400 को पुलिस ने जप्त किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ नेवरा पुलिस ने अलग अलग धारा 34 (1) (ख) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है ।

कुर्मी समाज की बैठक बंगोली में 12 को होगी

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज तिल्दा राज के राजप्रधान ठाकुर राम वर्मा की अध्यक्षता में ग्राम इकाई बंगोली में प्रकरण बैठक का आयोजन आगामी 12 अक्टूबर को होगी। इस अवसर पर तिल्दा राज के युवा अध्यक्ष दीपक वर्मा के नेतृव में एम.आर.एम हॉस्पिटल खरोरा व पूर्व केंद्रीय युवा अध्यक्ष नूतन बंछोर के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य सिविर का आयोजन किया जाएगा। बैठक मे बच्चे नशा मुक्ति जागरूकता नाटक प्रस्तुत करेंगे। पर्यावरण सुरक्षा अभियान के लिए पौधा रोपण किया जाएगा।

शिवमंदिर में महिलाएं करतीं हैं सुंदरकांड पाठ

आरंग। शनिवार को डीडी कालोनी स्थित शिव मंदिर आरंग में महिला समिति द्वारा दक्षिणमुखी हनुमान के सम्मुख बैठकर सुंदरकांड का संगीत के साथ पाठ किया गया। समिति के प्रमुख सीमा शर्मा ने बताया कालोनी के महिलाओं द्वारा हर मंगलवार व शनिवार को सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा व भगवान शिव की आरती किया जाता है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर पूजा आराधना में शामिल होकर कालोनी में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर रही हैं। शनिवार को सुंदरकांड पाठ में महिला समिति के सदस्यों में सीमा शर्मा, दीप्ति शर्मा, ऋतिका मिश्रा, गायत्री गुप्ता, शिखा चंद्राकर, नमिता चंद्राकर, रीना चंद्राकर, माही सोनी, राजेश्वरी साहू, गायत्री चंद्राकर, लक्ष्मी साहु, पुष्पा चंद्राकर, कृष्णा चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया।

आरएसएस ने शस्त्र पूजा कर पथ संचलन किया

अभनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभनपुर खंड के तत्वावधान में रविवार को गायत्री मंदिर परिसर में शस्त्र पूजा, बौद्धिक एवं पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ललित शर्मा एवं मुख्य वक्ता के रूप में कबीर पंथी समाज के पंथ गुरु देवकर साहेब उपस्थित रहे। सुबह 10 बजे से 10.35 बजे तक शस्त्र पूजा एवं बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ, जिसके पश्चात 11 बजे से 12 बजे तक पथ संचलन निकाला गया। संचलन के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने पुष्पवर्षा कर भगवा ध्वज का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक इंद्रकुमार साहू पथ संचलन में शामिल होकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया वही खंड संघ चालक रुपचंद साहू ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और नागरिकों की उपस्थिति रही।

ग्रामसभा में नशा मुक्ति और जागरूकता का दिया संदेश

आरंग। मंदिरहसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुकरा में शनिवार को हुई युवक की हत्या की घटना के बाद रविवार 5 अक्टूबर को ग्रामसभा का विशेष आयोजन किया गया। इस सभा में ग्राम के वरिष्ठजन, महिला समूह, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभा का मुख्य उद्देश्य ग्राम में बढ़ रहे नशे के दुष्प्रभावों को रोकना एवं युवाओं में सामाजिक जागरूकता फैलाना रहा। ग्रामसभा में विशेष रूप से उपस्थित थाना मंदिरहसौद प्रभारी आशीष यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि, नशा हर बुराई की जड़ है, इसे खत्म करने का संकल्प आज सभी को लेना होगा। उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि नाबालिक बच्चों के प्रेम-प्रसंग से जुड़े मामलों में किसी के द्वारा संरक्षण दिया जाता है, तो ऐसे लोगों के विरुद्ध भी कानूनी प्रकरण पंजीबद्ध किए जाएंगे।

कुकरा में ग्रामसभा का आयोजन

बाल श्रमिक रखने पर अर्थ मेट कंपनी के खिलाफ की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) की संयुक्त टीम ने धरसींवा क्षेत्र के श्रमिक कालोनी और फैक्ट्री में छापेमारी की। यह कार्रवाई तहसीलदार धरसींवा बाबूलाल कुर्रे और उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती नंदिनी ठाकुर के नेतृत्व में किया गया। जांच के दौरान टीम ने फैक्ट्री के अंदर कुछ बाल श्रमिकों को काम करते हुए पाया, जिन्हें तुरंत वहां से हटाया गया। पूछताछ में बाल श्रमिकों ने बताया कि लेबर ठेकेदार तिवारी उन्हें फैक्ट्री में रोजाना 12-12 घंटे काम कराता है और पैसा कम दिया जाता है। श्रम निरीक्षक श्री दीपक सोनवानी ने बताया कि ठेकेदार द्वारा श्रम कानूनों का उल्लंघन किया जा रहा है। संजय निराला, संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख), जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग ने कहा कि फैक्ट्री में निरीक्षण के दौरान 05 बाल श्रमिक पाए गए हैं जो कि विधिसम्मत नहीं है। बालश्रमिकों को नियोजित करने वाले नियोक्ता, ठेकेदार और फैक्ट्री के संचालक के विरुद्ध किशोर न्याय (बालकों के देखरेख और संरक्षण) अधिनियम,2015 तथा बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 में निहित प्रावधान के तहत कार्यवाही हेतु थाना धरसीवां से प्राथमिकी दर्ज करने हेतु श्री विपिन ठाकुर, राज्य प्रमुख, एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इसी तरह फैक्ट्री के समीप संचालित प्रतिष्ठान अन्नपूर्णा भोजनालय एवं स्वीट्स से 02 बालकों को बाल श्रम करते पाए गए। इस प्रतिष्ठान में बालकों को बाल श्रम में नियुक्त करने वाले नियुक्त नियोक्ता एवं संचालक के विरुद्ध भी उपरोक्त अधिनियम के तहत कार्रवाई किए जाने हेतु थाना धरसीवां में पृथक से आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तहसील साहू संघ के मनीराम अध्यक्ष व गिरेंद्र उपाध्यक्ष बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

प्रदेश साहू संघ के आदेशानुसार साहू समाज का चुनावी कार्यक्रम चल रहा है जिसमें 04 अक्टूबर को तिल्दा तहसील साहू संघ का चुनाव नगर भवन दशहरा मैदान में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम समाज की अराध्य देवी मां कर्मा की पूजा अर्चना के साथ चुनावी कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसमें मनीराम साहू अध्यक्ष व उनका पूरा पैनल को पूर्ण बहुमत मिला । जिसमें अध्यक्ष मनीराम साहू घिवरा को 374 मत और असंवत दास साहू को 113 मत मिला, उपाध्यक्ष गिरेंद्र साहू निनवा 384 और राजाभरत को 104 मत मिला, संगठन सचिव में फगुवाराम साहू खुडमुडी को 345 मत और वीरेंद्र साहू को 142 मत मिला, महिला उपाध्यक्ष संगीता साहू सगुनी और महिला संगठन सचिव टिकेश्वरी साहू बुड़ेनी दोनों पद निर्विरोध निर्वाचित हुए । इस बार तिल्दा तहसील के प्रत्येक गांव से 5-5 पदाधिकारियों द्वारा मतदान किया गया । मतदान कराने के लिए निर्वाचन अधिकारी के रूप में जिलाध्यक्ष देवनाथ साहू व उनका पूरा टीम उपस्थित रहा । वहीं पूर्व तहसील अध्यक्ष पोषण साहू और सभी परिक्षेत्रों के अध्यक्षों के साथ सामाजिकजनों द्वारा सुबह से शाम रात तक शांति पूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया। निर्णय आने के पश्चात सभी प्रत्याशी एक दूसरे को चंदन गुलाल लगा कर सम्मान किये और राष्ट्रगान भी गए ।

पोषण साहू ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों को बधाई दी वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीराम साहू ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठजनों के आशीर्वाद और आप सभी के साथ के बिना समाज नहीं चलेगा हम सभी को एक हो कर काम करना है ।

इस कार्यक्रम में त्रिलोचन साहू नेवरा, डागेश साहू खपरीकला, संतोष साहू लखना, योगेश साहू बुड़ेरा, झब्बु साहू मुरा, पवन साहू किरना, मनोहर साहू नेवरा, मुकेश साहू, मनोज साहू, नरेंद्र साहू, योगेंद्र साहू, बलदाऊ साहू, गजानंद साहू, राजू साहू, मोनेश साहू, अलख साहू, मनीष साहू, गजेंद्र साहू, आदि उपस्थित रहे।

विधायक ने अंचल के जारी मुरुम के गोरखधंधे की शिकायत की थी

मुरुम के अवैध उत्खनन में संलिप्त पांच हाईवा और चेनमाउंटेन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

नगर पालिका क्षेत्र अभनपुर बेलभाठा के समीप अवैध मुरूम उत्खनन की शिकायत पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व मे राखी थाना पुलिस व अभनपुर पुलिस 4 अक्टूबर रात 2 बजे के करीब घेराबंदी कर मुरूम उत्खनन कर रही चैन माउटेन मशीन व मुरूम परिवहन मे लगी 5 हाईवा वाहन को जप्त कर वाहन मालिको के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही हाईवा चालक व जेसीबी ऑपरेटर मौके से भाग निकले,हाईवा को मिस्त्री के माध्यम से डायरेक्ट चालू कर थाना मे लाया गया,वाहन चालक के फरार होने से अवैध मुरूम चोरी करने वाले हाईवा क्रंमाक सीजी 04 पीके 3888,सीजी 04 जेडी 7701,सीजी 04 पीएल 2212,सीजी 04 एम 4161,सीजी 04 एनएस 4655 एवं चैन माउटेन मशीन क्रंमाक एसवाय 215सी/9एलसी को जप्त क र वाहन मालिको के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया है। ज्ञात हो कि नगर पालिका क्षेत्र अभनपुर बेलभाठा के समीप विभिन्न विकास कार्यो के लिए आरक्षित समतल बेशकीमती भूमि को मुरूम माफियाओ द्वारा कई महीनो से अवैध उत्खनन किया जा रहा है इस संबंध मे विधायक इन्द्रकुमार साहू एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण स्थान पर हो रहे उत्खनन की शिकायत खनिज विभाग के उच्चधिकारियो से लेकर एसडीएम,थाना अभनपुर को सैकड़ो बार शिकायत कर चुके है लेकिन ठोस कार्यवाही के अभाव मे अवैध मुरूम उत्खनन पर रोक नही लग पाई जिसके चलते नयारायपुर के तीसरे लेयर मे स्थित अभनपुर नगर पालिका क्षेत्र की बेशकीमती समतल भूमि यहां पर फिल्टर प्लांट,कृष्णकुंज जैसे शासन की महत्वकांक्षी योजना संचालित है उक्त स्थल पर ही आउटडोर स्टेडियम खेल मैदान प्रस्तावित है इसके साथ ही अन्य विकास योजनाओ के लिए यह भूमि आरक्षित रखी गई है।

कार्रवाई से मचा हड़कंप

इस संबंध मे नगर पालिका अभनपुर के सीएमओ द्वारा 20 अगस्त को एसडीएम,तहसीलदार व थाना प्रभारी को नगर पालिका के लिए सुरक्षित भूमि पर किये जा रहे अवैध उत्खनन पर रोक लगाने लिखित शिकायत की गई थी इसके बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नही की गई जिसके चलते नगर पालिका की समतल बेशकीमती भूमि को खाई मे तब्दील कर दिया गया। अभनपुर क्षेत्र अवैध उत्खनन का सबसे सुरक्षित स्थान मानकर मुरूम माफिया बेखौफ होकर पूरी रात मुरूम उत्खनन किया जा रहा है इस कार्यवाही से मुरूम माफियाआ मे भारी हडक़ंप मचा हुआ है वही आम जनता इस कार्यवाही से अवैध उत्खनन पर नियंत्रण होन की उम्मीद की जा रही है।

HEALTH TOWN

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज़
Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru
पताः चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

चकल्लस

लौट के होशियार घर को आए

राजधानी रायपुर की ट्रैफिक व्यवस्था का ये आलम है कि जब कभी पुलिस के बड़े अधिकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग में यहां आते हैं, सबसे पहले वे ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के वादे और दावे करते हैं। कुछ साल पहले करोड़ों रुपए खर्च करके ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। लोगों को लाल-पीली और हरी बत्ती के हिसाब से चलना सिखाया गया था, लेकिन ये व्यवस्था नहीं चली तो मौजूदा अफसरों ने बड़े चौक-चौराहों पर सिग्नल बंद कर रोटरी सिस्टम का प्रयोग कर दिया। मजे की बात है कि ये सफल भी रहा। अब योजना ये है कि एक-डेढ़ दर्जन चौराहों को रोटरी किया जाएगा। अरे भईया... पहले भी तो यही सिस्टम था, बिना लाल-पीली बत्ती के भी लोग चलते थे। आखिर फिर वहीं लौटकर आ गए।

वीरानी को रौनक में बदलेंगे...

राजनीति में कब-क्या हो जाए, ये राजनीति करने वाले भी नहीं जानते। कुछ साल पहले पिछली सरकार ने मवेशियों के लिए ठिकाने बनाने की सोची और प्रदेशभर में गोठान बना दिए गए। तब की विपक्षी पार्टी भाजपा के नेताओं ने कांग्रेस सरकार की खूब लानत- मलानत की। आखिरकार पिछली सरकार के जाते-जाते गोठान वीरान हो गए। नई सरकार बनने के बाद गायों के लिए गोधाम बनाने की बात आई तो मामला घूम-फिर कर गोठानों पर ही आ गया। अब कांग्रेसी गोठान को गोधाम बनाने की तैयारी की जा रही है। वीरान पड़े गोठान में रौनक लाने के लिए काम किया जा रहा है। गोठान का विरोध करने वाले नेता ही अब गोधाम की रौनक बढ़ाने का काम करने वाले हैं।

जल्द आएंगे नए वाले

प्रदेश के कई जिला में शिक्षा के मुखिया जल्द ही बदले जाएंगे। अब क्यों बदले जाएंगे, यह मत पूछिए आप। अब मंत्री नए हैं तो बाकि मुखिया भी तो नए होंगे ना? राजधानी इस बदलाव की चपेट में नहीं आएगा। दूसरे 5-10 जिलों पर बिजली इसी साल गिर जाएगी। बदलाव की सूचना मिलते ही कई हाथ-पैर मारने लगे हैं, कोई कुर्सी बचाने के लिए तो कोई कुर्सी पाने के लिए। एक और बात सुनिए... कुछ तो इतने शातिर हैं कि वे हाथ-पैर मारकर समय गंवाने की जगह बचे हुए दिनों का सदुपयोग कर रहे हैं। अब सदुपयोग की परिभाषा सबकी अपनी-अपनी होती है। आप भी ना... कुछ भी समझ लेते हैं।

हो गई एल्यूमिनी

राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एल्यूमिनी मीट का आयोजन कराने स्कूल-कॉलेजों को कहा गया है। फंड बचाने संस्थान थोड़े-बहुत पैसों से जो कुछ करते बन रहा है, कर रहे हैं। अधिकतर तो टाइमपास ही कर रहे हैं, लेकिन पत्रकारिता विवि में ऐसा नहीं हुआ। यहां नवाचार हुआ। मतलब शासन से भी पैसे लिए गए और छात्रों से भी। हालात तो यह हो गई थी एल्यूमिनी मीट के लिए बने व्हॉट्सऐप ग्रुप में ही देखने-दिखाने तक की नौबत आ गई। अब बच्चों को भी समझना चाहिए कि नहीं? जहां शिक्षकों को ही महीनों से पैसे नहीं मिल रहे हैं, वहां बच्चों के नाचने-कूदने में पैसे कौन गंवाएगा?

एक अनार सौ तलबगार

रायपुर शहर कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलने वाला है। प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आठ अक्टूबर को एआईसीसी के प्रतिनिधि आएंगे, सबसे बात करके अपना पैनल तैयार करेंगे। दावेदारों के आवेदन भी लेगें। हाल यह है कि रायपुर में छोटे-बड़े, सच्चे और कच्चे और नए-पुराने कांग्रेसियों को जोड़ लें तो सौ से ज्यादा दावेदार हो गए हैं। सब सोशल मीडिया पर दावेदारी कर रहे हैं। कुछ ऐसे हैं जिन्होंने अपनी हड्डियां तुड़वाई पार्टी के लिए और कुछ ऐसे भी हैं जो दसों साल से कहीं नजर ही नहीं आए हैं। खबरी बता रहा था कि इनमें से कई कागजी दावेदार हैं। वे सोशल मीडिया और आवेदन तक ही सीमित रहेंगे ताकि नाम चर्चा में रहे।

नक्सलियों के अंतिम दिन

नक्सली इतने असहाय कभी नहीं रहे और फोर्स के हौसले इतने बुलंद पहली बार दिख रहे हैं। टेक्नालाजी और केंद्र के सपोर्ट ने नक्सलियों के पैर उखाड़ दिए हैं। हाल यह है कि नक्सली चर्चा करने के लिए तैयार हैं और सरकार ने दो टूक कह दिया है कि सरेंडर करो और जान बचाओ। उससे ज्यादा सहूलियत नहीं मिलेगी। खबरी बता रहा था कि नक्सलियों में खौफ है। टेक्नालाजी इतनी एडवांस हो गई है कि आदमी तो क्या जमीन पर चल रहे चूहे का मूवमेंट भी पता चल जाता है। ऐसे में नक्सलियों के पास छिपने की जगह नहीं बची। मूवमेंट होते ही ढेर कर दिए जा रहे हैं। अगर ऐसा ही दबाव बना रहा तो संभव है कि अगले साल नक्सलियों का अंत हो जाएगा।

चिराग तले अंधेरा...

एक कहावत है, चिराग तले अंधेरा। अब पॉवर कंपनी को ही लीजिए। पॉवर कंपनी ने प्रदेशभर के अपने 15 हजार से ज्यादा अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सोलर पैनल लगाने का आदेश दिया है, पर ज्यादातर अधिकारी इसमें रुचि ही नहीं ले रहे हैं। अगर यह सब सोलर पैनल लगवा लें तो आंकड़ा बिजली की रफ्तार से बढ़ता दिखेगा। लेकिन खबरी बता रहा था, अधिकारियों और कर्मचारियों को 50 फीसदी बिजली मुफ्त में मिलती है। छूट खत्म होने के बाद भी उनका बिजली का बिल ज्यादा नहीं आता। ऐसे में वे सोलर के चक्कर में क्यों पड़ेंगे। मतलब चिराग तले अंधेरा है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा

ऑटोमोबाइल सेक्टर पर बरसी मातारानी की कृपा, बिक गए 30 हजार वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नवरात्रि में बाजार में चारों तरफ बूम नजर आया। इसके पीछे का एक बड़ा कारण जीएसटी में बदलाव भी है। इसका सबसे बड़ा असर ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिला। वाहनों के दाम में बहुत ज्यादा राहत मिली है। ऐसे में ऑटोमोबाइल सेक्टर पर माता रानी की जमकर कृपा बरसी है।

प्रदेश में नवरात्रि में रोज तीन हजार वाहन बिके। नवरात्रि इस बार दस दिनों की थी। ऐसे में इस बार करीब 30 हजार वाहन बिके हैं। इसमें से 25 हजार से ज्यादा दुपहिया और करीब चार हजार चार पहिया वाहन हैं। कुल मिलाकर करीब छह सौ करोड़ का कारोबार हुआ है। अब पुष्य नक्षत्र और धनतेरस पर भी अच्छा कारोबार होगा। वाहन खरीदने वालों को हमेशा से ही नवरात्रि का इंतजार रहता है। नवरात्रि में नौ दिनों तक शुभ मुहूर्त माना जाता है। पूरे नौ दिनों तक वाहन बिकते हैं। इस बार भी नवरात्रि पर पहले ही दिन से लगातार वाहन बिके और अंतिम दिन तक वाहनों की बिक्री हुई।

इस बार यह खास बात रही कि जीएसटी में बदलाव के कारण वाहन दस फीसदी सस्ते हो गए। ऐसे में ग्राहकों को बड़ी बचत हुई तो वाहन भी ज्यादा बिके। लोग नवरात्रि का ही इंतजार कर रहे थे, क्योंकि नवरात्रि से ही जीएसटी में बदलाव होना था। इसलिए जिनको वाहन लेने थे, सभी जीएसटी कम होने का इंतजार कर रहे थे जिसके कारण नवरात्रि से पहले सितंबर में गिनती के ही वाहन बिके।

दस दिनों में छह सौ करोड़ का हो गया कारोबार

जीएसटी से भारी बचत

वाहनों में पहले 28 फीसदी जीएसटी लगती थी, लेकिन अब यह 22 सितंबर से 18 फीसदी हो गई है तो लोगों को दस फीसदी कम पैसे लगे। जहां एक तरफ 10 लाख की कार में एक लाख और 20 लाख की कार में दो लाख बचे, वहीं वाहन कंपनियों इसमें अलग से डिस्काउंट भी दिया तो ज्यादा बचत हुई। ज्यादा कीमत वाली कारों पर जिन पर जीएसटी कम नहीं हुई है, उन पर वाहन कंपनियां भी लाखों रुपए का बड़ा डिस्काउंट दे रही हैं। इधर एक लाख की बाइक में दस हजार बचे हैं। अलग से डिस्काउंट के कारण यह बचत 12 से 15 हजार तक हुई है। स्कूटी पर भी आठ से दस हजार बचे।

नवरात्रि पर ज्यादा बिके वाहन

जीएसटी कम होने का बड़ा असर अपने प्रदेश में भी नजर आया है। नवरात्रि पर इस बार करीब 30 हजार वाहन बिके हैं। सितंबर माह में कुल 47 हजार वाहन बिके हैं, इनमें से ज्यादातर नवरात्रि पर ही बिके हैं। - विवेक गर्ग, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ फाडा

बीते साल से ज्यादा बिके वाहन

ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि इस बार जीएसटी कम होने के कारण बीते साल से 20 फीसदी ज्यादा कारोबार हुआ है। बीते साल नवरात्रि में 20 हजार दुपहिया और 28 सौ चारपहिया वाहन बिके थे। इस बार 25 हजार से ज्यादा दुपहिया और चार हजार पहिया वाहन बिके। सितंबर में कुल 47 हजार वाहन बिके हैं। इसमें साढ़े चार हजार कारें हैं। इनमें से ज्यादातर कारें नवरात्रि में ही बिकी है। करीब चार कारें नवरात्रि में बिकी है। एक दुपहिया की औसत कीमत 80 हजार मानें तो दो सौ करोड़ का कारोबार दुपहिया वाहनों की हुआ है। इसी के साथ कारों की औसत कीमत दस लाख माने तो चार सौ करोड़ की कारें बिकी हैं।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मीडिया से हुए रूबरू

सेना के शौर्य से नक्सलमुक्त हो रहा छग जशपुर और बस्तर में भी करेंगे पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अमीर आदमी गरीब को सपोर्ट नहीं कर रहा है। सनातन की यह बड़ी कमजोरी है। जातियों और ऊंच-नीच की बातों में उलझाकर जो सनातनियों को बरगला रहे हैं, मैं उन्हीं से लड़ाई को लड़ रहा हूं, क्योंकि हिंदू-हिंदू भाई-भाई हैं। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सेना के शौर्य के आगे नक्सली परास्त हो रहे और छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो रहा है। उन्होंने भविष्य में अनुमति मिलने पर जशपुर और बस्तर में यथास्थिति कथा-प्रवचन करने या फिर हिंदुत्व की अलख जगाने की मंशा जाहिर की। हिंदुत्व और गोमाता की सुरक्षा पर बेबाकी से रविवार को मारुति मंगल भवन में पत्रकारवार्ता में उन्होंने जवाब दिए।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर ने गोमाता की सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों को लेकर कहा कि रोकथाम के लिए यहां क्या कानून है, इस संदर्भ में ज्यादा पता नहीं। सुझाव देते हुए कहा कि हर तहसील स्तर पर 5000-5000 क्षमता वाले गोधाम बना दिए जाएं तो गोमाता ही नहीं, इनकी वजह से सड़क पर होने वाले हादसों से दोनों सुरक्षित हो जाएंगे। चार तहसीलों से शुरुआत करेंगे तो गोमाता भी सुरक्षित रहेगी। गोधाम में उनके रहने और चारा-पानी की व्यवस्था करें, ताकि किसी प्रकार से उन्हें तकलीफ न होने पाए। यूपी में जारी बुलडोजर की कार्रवाई पर बोले, इससे विचार कायम नहीं किया जा सकता है, मगर अधर्म करने और आतंक फैलाने वालों को रोकने का यह भी एक रास्ता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, इसके लिए संघ को शुभकामना देता हूं। संघ ने विचारधारा को बचाने का काम किया है। उनके द्वारा चलाई जा रही विचारधारा ने देश में एक नए आंदोलन का रूप लिया है।

कहा- सरकार गोधाम बनाए तो सुरक्षित होंगी गोमाता

जातियों और ऊंच-नीच की बातों में उलझाकर जो सनातनियों को बरगला रहे हैं, मैं उन्हीं से लड़ाई को लड़ रहा हूं

इसके लिए राज्य सरकार को विचार करना चाहिए

कुछ पढ़े लिखे हिंदू, बच्चों को रामचरित मानस और गीता का पाठ नहीं कराते हैं। देश और हिंदुत्व को बचाने हर भारतवासी को हर दिन तीन घंटे की ट्यूशन लेनी चाहिए। इससे बच्चों में अपनी संस्कृति का बोध उत्पन्न होगा और उनके संस्कार भी सुधरेंगे। इसके लिए राज्य सरकार को विचार करना चाहिए। अगर हिंदुत्व को मानती है तो उन बच्चों को प्रोत्साहित भी किया जाए। भूत-प्रेत को लेकर कहा कि पिछले दिनों उन्होंने 8 देशों की यात्रा की और दुष्ट शक्तियों को दूर करने के लिए ऑक्सपोर्ड यूनिवर्सिटी ने इस पर एक चैप्ट1र शुरू किया है। जो धर्मांतरित हो गए हैं, ऐसे लोगों के लिए बागेश्वर धाम का खुला मंच है।

जब अनुमति मिलेगी, कथा या पदयात्रा करने जाएंगे

पं. शास्त्री ने आगे कहा कि 5 से 8 अक्टूबर के बीच कथास्थल से जो लोग चाहते हैं, वे अपने धर्म में वापस लौट सकते हैं। जशपुर और बस्तर में पदयात्रा के सवाल पर कहा, मैंने शासन से कहा है कि जशपुर में एक बार कथा की अनुमति दी जाए, लेकिन अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। जब भी अनुमति मिलेगी, वहां कथा या पदयात्रा करने जाएंगे। जशपुर और बस्तर में अगर गुरु की कृपा रही तो वहां कथा या पदयात्रा करूंगा। रायपुर में दो दिन दिव्य दरबार लगेगा। सोमवार को दिव्य दरबार दोपहर 12 से 2 बजे तक लगेगा और कथा 3.30 से 6.30 बजे तक होगी। 7 से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन तक होने वाली पदयात्रा के लिए धर्मानुरागियों को न्योता देते हुए अभी से तैयारी शुरू करने की बात पं. शास्त्री ने कही।

सीएम साय आज दिल्ली में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जनजातीय गौरव दिवस और राज्य स्थापना कार्यक्रम में शामिल होने देंगे न्योता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात करेंगे। सीएम श्री साय 5 अक्टूबर की रात रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

बताया गया है कि सीएम श्री साय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें 15 नवंबर को अंबिकापुर में होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करेंगे। साथ ही उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात करेंगे। उन्हें राज्योत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आमंत्रित करेंगे।

अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस इस बार 15 नवंबर को सरगुजा (अंबिकापुर) में मनाया जाएगा। राज्य सरकार राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस को लेकर एक बड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित करने 6 अक्टूबर को मिलने का समय मांगा है।

राज्योत्सव के समापन में आएंगे उपराष्ट्रपति

दूसरी ओर छत्तीसगढ़ राज्य का 25वां स्थापना समारोह 1 से 3 नवंबर तक आयोजित है। 1 नवंबर के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उनका कार्यक्रम तय है। साथ ही राज्योत्सव का समापन 3 नवंबर को होना है। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को आमंत्रित करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री उपराष्ट्रपति से मिलकर उन्हें समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण देंगे।

सभी खुदाई कार्यों की जानकारी एप पर अपलोड करें नगरीय निकाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगरीय निकायों को खुदाई कार्यों की जानकारी सी-बड मोबाइल एप पर अनिवार्यतः अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। विभाग ने नगरीय निकायों में पदस्थ सभी अभियंताओं को निकायों में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की खुदाई की जानकारी मोबाइल एप पर शीघ्र अपलोड करना सुनिश्चित करने कहा है।

- नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जारी किया परिपत्र

नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक आर. एक्का ने निकायों को जारी परिपत्र में कहा है कि केंद्रीय संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों में विभिन्न खुदाई कार्यों जैसे पाइपलाइन, केबल, गैस पाइपलाइन आदि कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए जा रहे सड़कों की खुदाई के कार्यों की जानकारी अनिवार्य रूप से सी-बड मोबाइल एप पर अपलोड कराने के लिए निर्देशित किया गया है। दूरसंचार विभाग ने इसके लिए एप का अधिक से अधिक उपयोग करने को कहा है।

फाइल फोटो

नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

नगरीय प्रशासन विभाग ने परिपत्र में अवगत कराया है कि नगरीय निकायों, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं निकाय स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर उनका पंजीयन सी-बड मोबाइल एप पर किया जा चुका है। इसके लिए समय-समय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। विभाग ने नगरीय निकायों में पदस्थ अभियंताओं द्वारा मोबाइल एप पर निकायों में चल रहे विभिन्न कार्यों की खुदाई की जानकारी अपलोड नहीं करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए खुदाई की जानकारी अनिवार्यतः अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा ने 2 साल में छत्तीसगढ़ को अवैध शराब-नशे का गढ़ बना दिया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, भाजपा ने 2 साल में छत्तीसगढ़ को अवैध शराब और नशे का गढ़ बना दिया है। आज प्रदेश में गली-गली में अवैध शराब बिक रही है। भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ नशे के मामले में पंजाब, गुजरात और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ चुका है। सभी शहरों के आउटर के कैफे तो युवाओं को नशा परोसने का केंद्र बन चुके हैं। पुलिस इन्हें रोकने के बजाय सहयोगी बनी हुई है।

- नशे के कारोबार पर रोक लगाने में विफल है सरकार

कांग्रेस की सरकार थी, तब वर्षों से चल रहे हुक्का बार बंद कराए गए थे। राज्य में सूखे नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया गया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर से नशे का कारोबार तेजी पर है। उन्होंने कहा, सरकार नशे के कारोबार पर रोक लगाने में विफल साबित हो रही है। सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हेरोइन जैसे नशे के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में इसकी लत महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिए सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रहे हैं। कांग्रेस की सरकार थी, तब नशे के कारोबार को पूरी तरीके से समाप्त कर दिया गया था।

मंत्री गुरु खुशवंत की नई टीम जितेंद्र बने विशेष सहायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की निजी स्थापना में नई कार्यसंरचना को स्वीकृति प्रदान की है। शासन द्वारा तीन अधिकारियों की पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए गए हैं।

जितेंद्र बने विशेष सहायक

राज्य शासन द्वारा जारी आदेशानुसार जितेंद्र कुमार साहू, संयुक्त आयुक्त, विकास आयुक्त कार्यालय, नवा रायपुर अटल नगर को विशेष सहायक के रूप में पदस्थ किया गया है। वे मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब की नीतिगत, प्रशासनिक एवं विभागीय गतिविधियों में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इसी क्रम में यशवंत टंडन, पंचायत सचिव, जनपद पंचायत आरंग (जिला रायपुर) को मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की निजी स्थापना में निज सचिव के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री टंडन अब मंत्री के दैनिक कार्यक्रमों, बैठकों और विभागीय समन्वय कार्यों की सीधी निगरानी एवं संचालन करेंगे। इसके अलावा सबेरा शर्मा, सहायक प्रबंधक (खाद्य शाखा), कलेक्टर कार्यालय मुंगेली को मंत्री की निजी स्थापना में निज सहायक के रूप में पदस्थ किया गया है। वे पत्राचार, फाइल प्रबंधन और दफ्तरी कार्यों के समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे।

पीजी की पढ़ाई के लिए ‘गिरवी’ रखने का प्रावधान विभागीय स्तर पर राहत नहीं तो लगाएंगे पिटीशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

मेडिकल में पीजी अथवा सुपर स्पेशलिटी कोर्स की पढ़ाई के लिए जमीन अथवा राशि बंधक रखने के नियम से डॉक्टरों को अब तक राहत नहीं मिली है। एडमिशन शुरू होने के पहले इस पर शासन स्तर पर फैसला नहीं आने पर डॉक्टर कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। वर्तमान में एमडी-एमएस के लिए 25 और एमसीएच, डीएनबी कोर्स के लिए 50 लाख रुपए बांड जमा करने का नियम है।

राज्य में पीजी की काउंसिलिंग अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने की उम्मीद है। इसमें प्रवेश लेने वाले कई बांडेड डॉक्टरों की बेचैनी बढ़ती जा रही है, क्योंकि अब तक तीन साल तक की पढ़ाई अवधि के लिए बंधक बनाने उतनी राशि अथवा संपत्ति की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। जानकारों का दावा है कि इस समस्या के कारण कई चिकित्सा विशेषज्ञ की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। चिकित्सा छात्र संगठन से जुड़े डॉक्टरों के मुताबिक, अब तक 40 से ज्यादा एमबीबीएस डॉक्टर इस नियम से उपजी परेशानी का हल खोजने उनसे संपर्क कर चुके हैं। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन, आईएमए सहित अन्य संगठनों के नेतृत्व में अपनी इस समस्या के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। उन्हें आश्वासन तो मिला है, मगर अब तक इस बारे में शासन स्तर पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। जूडा और चिकित्सकीय संगठन एफडीए से जुड़े डॉक्टरों का कहना है कि राहत के लिए अब न्यायालय की शरण में जाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए हाईकोर्ट में पिटीशन दायर कर हस्तक्षेप की मांग की जाएगी। डॉक्टरों का कहना है कि बंधक बनाने 25 और 50 लाख रुपए की संपत्ति की व्यवस्था हर किसी के बस की बात नहीं होती।

बांड सेवा भी कुल 4 साल का

राज्य में अभी सरकारी कॉलेजों में यूजी और पीजी की पढ़ाई करने वाले चिकित्सा छात्रों को कुल 4 साल की बांड ड्यूटी पूरी करनी होती है। नियमानुसार यूजी की पढाई के बीच अगर उनका चयन एमडीएमएस की पढ़ाई के लिए हो जाता है तो बची बांड ड्यूटी उन्हें चिकित्सा विशेषज्ञ बनने के बाद पूरी करनी होती है। वर्तमान शिक्षण सत्र में शासन द्वारा एमबीबीएस के छात्रों की बांड सेवा को दो से घटाकर एक साल करने का फैसला लिया गया है। इसका लाभ 2025 वर्ष के बैच को छठवें साल में प्राप्त होगा।

निजी कॉलेज-एम्स नियम से दूर

बांड सेवा की ड्यूटी का बंधन निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों पर नहीं है। स्नातक की पढ़ाई पूरी होने के बाद स्नातकोत्तर की पढ़ाई और उसके बाद वे सीधे चिकित्सकीय सेवा में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा एम्स में भी पढ़ाई करने वालों के लिए बांड सेवा की नियम-शर्तें लागू नहीं हैं।

HEALTH TOWN

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru
पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

15 वर्षों से आपकी सेवा में

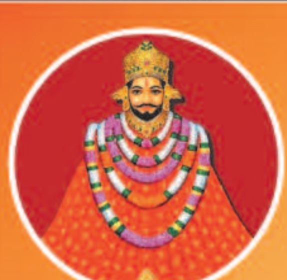

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

मोहनी स्पेशलिस्ट

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है।

पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

जोरों से चमकी बिजली...जमकर गरजे बादल, तेज बारिश से सड़कें लबालब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रविवार को दोपहर 1 बजे के बाद राजधानी के ऊपर छाए काले बादल जमकर गरजे और जोरों से बिजली चमकी। घंटेभर हुई झमाझम बारिश से शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया। मौसम में हुए बदलाव की वजह से वातावरण में ठंडक आ गई और तापमान ज्यादा ऊपर नहीं चढ़ पाया। बारिश की यह गतिविधि व्यापक न होकर खंड वर्षा जैसी रही। कई इलाकों में इसका प्रभाव झमाझम रहा, वहीं कुछ जगह मध्यम रूप में रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश अभी प्रदेश में व्यापक रूप में नहीं है। जिस इलाके में चलायमान बादल एकत्रित हो रहे हैं, वहीं जमकर बारिश हो रही है और बाकी स्थानों पर इसका असर ही नहीं हो रहा है। रविवार को भी कुछ इसी तरह की स्थिति राजधानी रायपुर समेत आसपास के इलाकों में बनी रही। सुबह 12 बजे कुछ हिस्सों में बारिश हुई। घंटेभर सामान्य रहने के बाद मौसम ने उग्र तेवर दिखाए।

रविवार दोपहर में घंटेभर कुछ इलाकों में झमाझम तो कहीं मध्यम वर्षा

कड़कड़ाती बिजली से सहमे शहरवासी

उत्तरी हिस्से से उठे काले बादल शहरभर में छाए और जमकर गरजे। कड़कड़ाती आवाज के साथ चमकी बिजली लोगों को भयभीत करती रही। इस दौरान शहर के बड़े हिस्से में मूसलाधार बारिश होने लगी। बारिश इतनी तेजी से गिरी कि गुढ़ियारी के अंडरब्रिज सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर घुटनों तक पानी भर गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, माना में करीब 4 सेमी. पानी बरसा, वहीं लालपुर में इसका असर सामान्य रहा। शहरी इलाके में भारी मात्रा में पानी बरसा और आंकड़ा 5 सेमी. के करीब पहुंचा।

कर्मचारी से लेकर संसाधन तक उपलब्ध कराएगी एजेंसी

अब जोन से नहीं, मुख्यालय से होगा सफाई का ठेका, 70 वार्डों के लिए होगी एक ही एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शहर के 70 वार्डों की सफाई के लिए अब जोन से वार्डवार अलग-अलग ठेके नहीं होंगे। इसके लिए निगम मुख्यालय का स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय से सेंट्रलाइज्ड ऑनलाइन टेंडर करेगा, जिसमें बड़ी कंपनी पूरे शहर के 70 वार्डों के सफाई कार्यों के लिए कलेक्टर दर पर सफाई कर्मचारी, आवश्यक संसाधन अपने खर्च पर उपलब्ध कराएगी।

कार्य आधारित ठेके में 8 घंटे की ड्यूटी सफाई कर्मचारी को करनी होगी। इसी आधार पर उसका भुगतान किया जाएगा, यानी 70 वार्डों में 70 ठेकेदारों की जगह अब केवल एक ठेका एजेंसी पूरे शहर की सफाई व्यवस्था संभालेगी। शासन की मंशानुसार नगर निगम की शहरी सरकार ने हाल ही में एमआईसी की बैठक में इस प्रस्ताव को लेकर प्रारंभिक चर्चा भी की है।

दरअसल शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई ठेके को लेकर निर्धारित संख्या से कम संख्या में ड्यूटी पर सफाई कर्मचारी पाए जाने और सफाई कार्य में कोताही बरतने की शिकायत आम हो गई है। निगम प्रशासन हर महीने करीब 7 करोड़ रुपए शहर के 70 वार्डों की सफाई के एवज में अलग-अलग ठेका एजेंसियों को भुगतान करता है।

इसके बावजूद शहर की सफाई अपेक्षा अनुरूप नहीं हो रही है। ऐसे में राज्य शासन रायपुर नगर निगम में केंद्रीकृत सफाई सिस्टम पर जोर दे रहा है, यानी आने वाले दिनों में जोन से वार्डों के लिए अलग-अलग सफाई ठेका न होकर मुख्यालय से सफाई कार्य के लिए ऑनलाइन टेंडर कर एक एजेंसी तय की जाएगी। इस नई व्यवस्था से सफाई कार्य की मॉनिटरिंग जहां आसान होगी, वहीं सफाई कार्य के भुगतान में गड़बड़ी पर रोक लगेगी।

70 नहीं, अब केवल एक ठेकेदार

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही ने बताया कि भिलाई, बिलासपुर, कोरबा, जगदलपुर ,अंबिकापुर नगर निगम में पूरे शहर के लिए सेंट्रलाइज्ड टेंडर कर केवल एक ही एजेंसी से शहर की सफाई कराने का बेहतर परिणाम मिला है। अब रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों की सफाई व्यवस्था के लिए बड़ी एजेंसी ऑनलाइन टेंडर कर तय की जाएगी। इससे कार्य में पारदर्शिता आएगी और वार्डों में सफाई कार्य की मॉनिटरिंग संबंधित जेडएचओ के माध्यम से कराई जाएगी, यानी हर वार्ड के लिए एक अलग ठेकेदार की जगह 70 वार्डों के लिए एक साथ सेंट्रलाइज्ड ठेका होगा, जिसमें पापुलेशन और वार्ड वाइज सफाई का प्लान बनेगा।

ठोस रणनीति बनाकर करेंगे काम

एमआईसी की बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था केंद्रीकृत करने पर चर्चा हुई है। शासन की मंशानुसार आने वाले दिनों में ठोस रणनीति बनाकर इस पर कार्य किया जाएगा। वार्डों की सफाई में निर्धारित संख्या से कम सफाई कर्मचारी मिलने की शिकायत आती रही है, इस पर कड़ाई बरतेंगे। *- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम*

सेंट्रलाइज्ड टेंडर से ये होंगे फायदे

- ठेका पर रखे सफाई कर्मचारी को 8 घंटे ड्यूटी करनी होगी, हाजिरी लगाने के बाद काम से गैरहाजिर रहने की परिपाटी बंद होगी।
- एक ही तरह की गणवेश में दिखेंगे सफाई कर्मचारी, पहचान करना होगा आसान।
- सफाई के लिए अलग से बनेगा रूट चार्ट
- सफाई ठेका के नाम पर मनमानी पर लगेगा ब्रेक
- रामकी की तर्ज पर केवल एक बड़ी एजेंसी 10 जोन के 70 वार्डों को करेगी कवर।

सट्टे में हारा तो रकम की भरपाई करने कारोबारी ने रची लूट की फर्जी कहानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी की घनी आबादी में डेढ़ करोड़ रुपए के चांदी के जेवरों की लूट की फर्जी कहानी गढ़कर सनसनी फैलाने वाले कारोबारी के झूठ का आखिरकार पर्दाफाश हो गया। कारोबारी ने सट्टे में हार की भरपाई के लिए लूट को अंजाम दिया था। हाल के दिनों में लूट की इसी तरह के और कई घटनाएं हो चुकी हैं। उन मामलों में भी कारोबारियों द्वारा सट्टे की रकम की भरपाई करने लूट की फर्जी कहानी गढ़ी गई थी।

उत्तरप्रदेश निवासी राहुल गोयल ने शनिवार को कोतवाली थाने में अज्ञात बदमाशों द्वारा बंधक बनाकर डेढ़ करोड़ रुपए के चांदी के जेवर लूटकर ले जाने की थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कारोबारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की।

चार दिन पूर्व गायब कर दिया था डीवीआर

पुलिस के मुताबिक, राहुल ने घटना के चार दिन पूर्व अपने कमरे में लगा डीवीआर निकालकर फेंक दिया था। इस वजह से पुलिस को घटनास्थल के आसपास बदमाशों का कोई सीसीटीवी फूटेज नहीं मिला। पुलिस के अनुसार राहुल ने एक माह पूर्व से जेवर गायब करने प्लानिंग की थी।

पुलिस का ये कहना है

पुलिस के तर्क के अनुसार, राहुल चेन फाउंडेशन ऑफ आगरा में चांदी के जेवर बेचने कमीशन एजेंट के रूप में काम कर रहा था। वह पूर्व में ईंट भट्ठे का संचालन करता था। ईंट भट्ठे में नुकसान होने पर उसने कमीशन पर चांदी बेचने का काम शुरू किया। बावजूद इसके नुकसान की भरपाई नहीं होने पर राहुल अलीगढ़ में सट्टा खेलने लगा। सट्टे में भी नुकसान होने पर वह अप्रैल माह से धीरे-धीरे कर चांदी के जेवर बेचकर नुकसान की भरपाई करने लगा।

सालभर में फर्जी लूट की यह तीसरी वारदात

सट्टा तथा अन्य देनदारियों की भरपाई करने राजधानी में एक साल के भीतर यह तीसरी वारदात है। दो माह पूर्व अगस्त में बोरिंग पार्ट्स के कारोबारी चिराग जैन ने 15 लाख रुपए फर्जी लूट की कहानी गढ़ी थी। पड़ताल करने पर पुलिस ने पाया कि चिराग पर एक करोड़ रुपए की देनदारी थी। इस वजह से उसने फर्जी लूट की कहानी गढ़ी। इसी तरह पिछले वर्ष एक रियल एस्टेट के सुपरवाइजर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर 20 लाख रुपए की फर्जी लूट की थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया जा रहा है, मनोज ने सट्टे की रकम की भरपाई करने अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी लूट की कहानी गढ़ी थी।

खबर संक्षेप

दुर्गोत्सव में रचनात्मक स्पर्धा के विजेता पुरस्कृत

रायपुर। श्रीश्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर द्वारा दुर्गोत्सव के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मंदिर परिसर में आयोजित इन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत शंख वादन, धुनुची नृत्य, मोमबत्ती प्रज्ज्वलन, म्यूजिकल चेयर, पास द बाल आदि का रोमांचक आयोजन किया गया। शंख वादन में प्रथम स्थान पर गोविंद बर्धन, द्वितीय मोनू पटेल, तृतीय अंकिता बर्धन रहीं। इसी तरह धुनुची नृत्य में निशांत बर्धन, सुजाता साहा, गोविंद बर्धन, मोमबत्ती प्रज्ज्वलन में मनराखन, वेदांत बर्धन, कुणाल गोगिया, म्यूजिकल चेयर में आशीष, मयूरी लक्की और पास द बाल प्रतियोगिता में किरण, चिराग व मालती ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन विजेताओं को स्वामी परेशानंद महाराज व अन्य संतों तथा समिति के पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

नागरीदास मंदिर में आज बांटेंगे शरद पूर्णिमा का प्रसाद

रायपुर। श्री रामचंद्र स्वामी (नागरीदास) मंदिर ट्रस्ट सरस्वती चौक पुरानी बस्ती में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार 6 अक्टूबर को मध्य रात्रि 12 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी रामकृष्णा पंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर प्रसाद के साथ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, हनुमान संजीवनी बूटी का निशुल्क वितरण किया जाएगा, जिससे श्वास, दमा, पथरी, पीलिया, कमर दर्द, खूनी बवासीर आदि बीमारियों में लाभ होता है।

मांगेराम शर्मा की पुण्यतिथि पर निशुल्क चिकित्सा शिविर आज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन मांगेराम शर्मा की पुण्यतिथि पर निशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन 6 अक्टूबर को होगा। यह शिविर एसके केयर हास्पिटल पचपेड़ी नाका में सुबह 9 से लगाया जाएगा। इसके बाद 12 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रोफेसर कालोनी में लगाया जाएगा। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं ब्लडप्रेशर, शुगर, हिमोग्लोबिन, फैटी लिवर आदि की जांच निशुल्क की जाएगी। चिकित्सा जांच एसके केयर हास्पिटल के सहयोग से की जाएगी। बैठक में अरविंद ओझा, डॉ. सुनील ओझा, रज्जन अग्निहोत्री, त्रिभुवन तिवारी, संभागीय अध्यक्ष नितिन झा, महिला महासचिव सुमन मिश्रा आदि उपस्थित थे।

निधन

महेंद्र मूलनकर

रायपुर। अशोक विहार कॉलोनी पंडरी निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र मूलनकर का 5 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

सतगुरु बाबा किशनपुरी साहब का वर्सी महोत्सव शुरू, दुग्धाभिषेक पंचामृत से कराया स्नान

रायपुर। पुरानी बस्ती लिली चौक स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर मढ़ी के 23 वें पातशाही श्रीश्री 1008 सतगुरु किशनपुरी साहेब का तीन दिवसीय 35वां वर्सी महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भोपाल के संत सांई तुलसीदास, रीवा के संत सांई हंसदास विशेष रूप से वर्सी महोत्सव में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचे और सुबह से ही सभी कार्यक्रमों में शामिल हुए। इसके बाद दोनों संतों ने अपनी अमृतवाणी में भक्तों को रसपान कराया, सत्संग के माध्यम से भक्त और गुरु का रिश्ता कितना पवित्र अनमोल होता है और कितना मजबूत होता है, इसके बारे में कई दृष्टांत के साथ विस्तार से समझाया। यह जानकारी सेवादार किशोर आहूजा और विजय दुसेजा ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन रविवार को सतगुरु बाबा किशनपुरी साहेब को दुग्धाभिषेक पंचामृत से स्नान कराया गया। इसके बाद नए वस्त्र धारण कराए गए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना तथा आरती भी की गई। इसी दौरान सभी भक्तजनों के लिए अग्रसेन धाम में आम भंडारा रखा गया, जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन का कार्य पूरा 926 प्रतिमाएं कुंड में विसर्जित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- महानवमी के दिन शुरू हुआ था विसर्जन का सिलसिला, रविवार सुबह भी प्रतिमा विसर्जित

राजधानी के महादेवघाट खारुन नदी के पास स्थित नगर निगम के विसर्जन कुंड में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन रविवार की सुबह पूर्ण हुआ। महानवमी से लेकर अब तक कुंड में 926 दुर्गा प्रतिमाएं ससम्मान विसर्जित की जा चुकी हैं। कुंड में जमा ढांचों को निकालने का काम लगातार चल रहा है। इसके चलते कुंड के चारों ओर बांस-बल्ली, पैरा, रस्सी, पूजन में प्रयुक्त सामग्री, थर्माकोल सहित अन्य अवशेषों का ढेर लगा हुआ है। कुंड से गंदा पानी और जमा मिट्टी निकालने का कार्य भी जल्द शुरू होगा।

नगर निगम जोन-8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल की देखरेख में महादेवघाट के विसर्जन कुंड से दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद ढांचा निकालने का काम कराया जा रहा है। क्रेन की मदद से कुंड में जमा हुए ढांचे बाहर निकाले जा रहे हैं। साथ ही अब विसर्जन कुंड में जमा मिट्टी और गंदे पानी को साफ करने जल्द काम शुरू होगा। गंदे पानी को खाली कराकर कुंड की सफाई की जाएगी। जोन-8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने बताया कि रविवार की सुबह अंतिम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए कुंड स्थल पर लाई गई। अब कुंड की सफाई पर जोर दिया जा रहा है।

तीन पालियों में ड्यूटी 90 गोताखोर लगाए

विदित हो कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान तीन पालियों में जोन स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों की प्रशासनिक स्तर पर ड्यूटी लगाई गई। साथ ही मूर्तियों के सुरक्षित व सम्मानजनक तरीके से विसर्जन के लिए 90 गोताखोर उपलब्ध कराए गए। विसर्जन का कार्य सुचारू रूप से चलता रहे, इसके लिए नगर निगम ने 7 क्रेन की व्यवस्था की थी। इनमें से 5 मशीनें विसर्जन और 2 क्रेन कुंड से ढांचे निकालने के लिए लगाई गईं।

पेज 09 के शेष ...

शहर बढ़ रहा, गांव भी हो रहे ...

यह प्रस्ताव वर्ष 2050 तक की संभावित आबादी और पानी की आवश्यकता के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए जनगणना में रायपुर नगर निगम में प्रस्तावित 10 गांव शामिल होने के स्थिति को भी ध्यान में रखा गया है। वर्तमान में रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों की पेयजल आपूर्ति के लिए केवल एक ही फिल्टर प्लांट रावणभाठा में संचालित है, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 310 एमएलडी जल आपूर्ति की है। इस प्लांट से 226 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा एरिया में फैले राजधानी को जल आपूर्ति का सिस्टम बना हुआ है। शहर के एक छोर में फिल्टर प्लांट होने और शहर की तेजी से बढ़ती बसाहट के चलते अब दूसरे छोर की पानी टंकियों तक पानी पहुंचने तक प्रेशर काफी कम होने लगा है। यही नहीं, आउटर के इलाके में स्थापित नगर निगम की कुछ पानी टंकियां पूरी क्षमता के साथ भर नहीं पा रही हैं। मोवा, दलदल सिवनी, कचना, लभांडी, सड्डू, फुंडहर में गर्मी के समय निगम को पानी टैंकर भेजकर जल आपूर्ति करानी पड़ती है। इसी दिक्कत को दूर करने नगर निगम द्वारा नया फिल्टर प्लांट बनाने की तैयारी है। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने हरिभूमि को बताया कि 100 एमएलडी के नए फिल्टर प्लांट का प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। चूंकि खारुन नदी जल संसाधन विभाग के अधीन है, इसलिए इस निर्माण की मंजूरी लेनी होगी। नए फिल्टर प्लांट के लिए नगर निगम खारुन नदी से पानी लेगा।

नॉन इंटरलॉकिंग के चलते बिगड़ी...

लाइन को अब पुरानी लाइनों से जोड़ने अलग-अलग जगहों पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम चल रहा है। ***हावड़ा रूट की ट्रेनें लगातार विलंब से :*** पिछले एक महीने से हावड़ा रूट से चलने वाली कई ट्रेनें नियमित लेट हो रही हैं। हावड़ा से बिलासपुर होते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में जाने वाली ये ट्रेनें अक्सर 3-4 घंटे देरी से पहुंच रही हैं। जानकारों का कहना है कि ट्रेनें झारसुगुड़ा से हावड़ा आते समय रात के समय ही चलती हैं, जब रेलवे ट्रेक पर कोई निर्माण कार्य नहीं हो रहा होता है। फिर भी देर हो रही है, जिससे साफ होता है कि समस्या केवल ट्रेक पर काम से नहीं जुड़ी है। रात के समय ट्रेक पर मालगाड़ियों का परिचालन भी होता है। ऐसे में यात्री ट्रेनों को कुछ समय के लिए रोका जाता है। यही कारण है कि हावड़ा, खड़गपुर, चक्रधरपुर और रांची रूट से आने वाली ट्रेनें समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। वर्तमान में विलंब से चलने वाली प्रमुख ट्रेनों में हावड़ा-मुंबई मेल, हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस, हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, हावड़ा-पुणे दुरंतो और हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस शामिल हैं।

पांचवी-आठवीं की ...

स्कूलों ने कोर्ट की शरण ली थी। उनका तर्क था कि बोर्ड परीक्षा संबंधित निर्णय सत्र के अंत में लिया गया है। उनके द्वारा पूरे सत्र निजी प्रकाशकों की किताबों से पढ़ाई कराई गई है। ऐसे में छात्रों के अनुत्तीर्ण होने अथवा परिणाम खराब होने की आशंका बढ़ जाएगी। अंततः निजी विद्यालयों को बोर्ड परीक्षाओं से छूट मिल गई थी और अपने छात्रों की परीक्षा उन्होंने स्वतः आयोजित की थी। इस वर्ष भी निजी स्कूल इसकी मांग करने की तैयारी में हैं।

डूमरतराई में कोटवारी जमीन...

कलेक्टर को डूमरतराई इलाके में सरकारी जमीन पर नगर निगम की अनुमति बिना अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिली थी। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और निगम आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर टीम प्रहरी और राजस्व विभाग की टीम ने डूमरतराई में 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी जमीन पर कब्जा कर की जा रही अवैध प्लाटिंग के लिए बनाए गए बाउंड्रीवॉल को जेसीबी मशीन से तोड़ गिराया। इस तरह कोटवारी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाई। इसके अलावा रविवार को ही नवा रायपुर के अटल विकास प्राधिकरण और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम टेमरी में सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से किए गए बिना अनुमति निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की।

छात्र तय समय पर नहीं लिख सके...

सकेंगे और परीक्षाओं के समय पर असाइनमेंट सबमिट कर सकेंगे। विश्वविद्यालय हर वर्ष असाइनमेंट सबमिशन की समय-सीमा बढ़ाकर विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर देता है। इस बार भी ऐसा ही किया गया और उम्मीदवारों को असाइनमेंट जमा करने का एक और अवसर दिया गया है। ***6 अक्टूबर तक परीक्षा फॉर्म :*** कुछ दिनों पूर्व विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने की समय सीमा में भी छूट दी थी। इग्नू टीईई दिसंबर 2025 के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने का लिंक 6 अक्टूबर तक (बिना विलंब शुल्क के) सक्रिय है। जो अभ्यर्थी समय सीमा से चूक जाते हैं, वे भी 1,100 रुपये विलंब शुल्क के साथ 20 अक्तूबर तक अपने परीक्षा फॉर्म जमा कर सकते हैं।परीक्षा फॉर्म भरते समय छात्रों को परीक्षा का तरीका, पाठ्यक्रम और परीक्षा केंद्र चुनना होगा। बीएलआईएस कार्यक्रम सहित प्रायोगिक या प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों में शामिल होने के लिए पंजीकृत छात्रों को परीक्षा स्थल और कार्यक्रम के लिए अपने क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क करना होगा। आधिकारिक सूचना के अनुसार, समर्थ पोर्टल के माध्यम से परीक्षा फॉर्म भरने के मद्देनजर, परीक्षा केंद्र में बदलाव के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। एक बार चुने गए पाठ्यक्रमों को परीक्षा फॉर्म जमा करने के बाद नहीं बदला जाएगा।

तकनीकी मूल्यांकन में 50 अंक पाने थे अनिवार्य, टेंडर जमा करते ही नियम शिथिल

गढ़कलेवा का चीला-फरा विवादों में उलझा टेंडर की शर्त बदलने का आरोप, जमकर विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गढ़कलेवा के संचालन के लिए तीन साल विलंब से जारी हुए टेंडर में गड़बड़ी के आरोप लगने लगे हैं। कुछ महिला स्वसहायता समूहों ने आरोप लगाया है कि संस्कृति विभाग के जिम्मेदार मनचाहे समूह को काम दिलाने के लिए गुपचुप तरीके से शर्तों में फेरबदल की हैं। 80 अंक के तकनीकी मूल्यांकन में 50 अंक पाने वालों को पात्र मानकर टेंडर जमा कराया गया और दूसरे दिन नियम को गुपचुप तरीके से बदल दिया गया। इसके अलावा समूह विशेष ने नियम का उल्लघंन कर ठेका हथियाने पांच समूहों के साथ मिलकर आवेदन कर दिया।

लोगों को छत्तीसगढ़िया व्यजंनों का स्वाद चखाने के लिए वर्ष 2016 में संस्कृति विभाग द्वारा सिविल लाइंस स्थित गढ़कलेवा का संचालन चार साल तक बिना किराया लिए किया गया था। इसके विरोध में आवाज उठी तो 10 हजार रुपए किराया तय किया गया। अगस्त 2022 में संचालक महिला स्वसहायता समूह से अनुबंध समाप्त हो गया। इसके बाद कभी कोरोना तो कभी अन्य तकनीकी कारणों का हवाला देकर समिति को तीन साल एक्सटेंशन का लाभ दिया गया। पिछले माह नई संचालन समिति तय करने टेंडर जारी किया गया, जो विवादों में आ गया। आरोप लगाया गया है कि निविदा आमंत्रित करने जो शर्तें तय की गई थीं, उसे बिना किसी पूर्व सूचना के बदल दिया गया। तकनीकी योग्यता में न्यूनतम 50 अंक अर्जित करने के बजाय टेंडर में शामिल सभी को प्रैक्टिकल यानी खानपान की परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया गया। आरोप ये हैं कि विशेष स्वसहायता समूह ने सिंडिकेट बनाकर टेंडर में हिस्सा लिया, जिन्हें प्रैक्टिकल में शामिल करने के लिए नियम को शिथिल किया गया।

टेंडर प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं

गढ़कलेवा के संचालन के लिए नियमानुसार टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई है। पूर्व में प्रायोगिक मूल्यांकन में केवल पांच समितियों को मौका दिया जाता था। इस बार निविदा में अधिक समितियों की भागीदारी को देखते हुए सभी को प्रायोगिक मूल्यांकन के लिए पात्र माना गया है। इनमें जिस समूह की दर अधिकतम होगी, उसे ठेका दिया जाएगा। *- विवेक आचार्य, संचालक, संस्कृति विभाग*

निष्पक्ष निविदा की मांग

गढ़कलेवा के संचालन के लिए जारी किए गए टेंडर में गड़बड़ी और विशेष समूह को लाभ देने का आरोप लगाने वाले अन्य स्वसहायता समूह से पायल तिवारी, रानी अग्रवाल, महिमा शर्मा एवं नेहा उपाध्याय सहित अन्य महिलाओं ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि वर्तमान में पूरी की जा रही टेंडर प्रक्रिया रद्द की जानी चाहिए। इसके लिए तय की गई शर्तों की जांच कर पुनः निविदा जारी की जानी चाहिए। इसके अलावा अभी संयुक्त रूप से गढ़कलेवा का संचालन करने वाली समिति के वित्तीय लेनदेन की जांच होनी चाहिए।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 6 अक्टूबर 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत, विभागीय रसायन परिषद का हुआ गठन

रायपुर। शासकीय जे. योगानंदम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रवेश उत्सव और विभागीय रसायन परिषद के गठन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. गोवर्धन व्यास और प्राचार्य डॉ. तपेश चंद्र गुप्ता ने छात्रों का स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान डॉ. व्यास ने रसायन विज्ञान की बदलती भूमिका, शोध, नवाचार के महत्व और इस क्षेत्र में उभरते अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि रसायन शास्त्र केवल एक विषय नहीं, बल्कि यह जीवन की हर परत को छूने वाली विज्ञान की एक ऐसी शाखा है जो समाज, उद्योग, चिकित्सा, पर्यावरण और तकनीकी विकास से गहराई से जुड़ी है। डॉ. व्यास ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की संरचना, प्रयोगशाला में अनुसंधान की विधियां, मूल्यांकन की प्रणाली व प्रोजेक्ट कार्य की प्रक्रिया से भी अवगत कराया।

रसायन विज्ञान प्रकृति को नई दृष्टि से देखने में मदद करता है

प्राचार्य डॉ. तपेश चंद्र गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण करना है जो समाज के प्रति उत्तरदायी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संपन्न और नवाचार में अग्रणी हो। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान की समझ न केवल प्रयोगशाला तक सीमित है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है जिससे जीवन और प्रकृति को नई दृष्टि से देख सकते हैं। डॉ. तपेश गुप्ता ने विद्यार्थियों से कहा कि वे नई तकनीकों को आत्मसात करें। स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित करने का प्रयास करते रहें। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और आत्मविकास की दिशा में प्रेरित किया।

बनारसी साड़ियों में मंच पर उतरीं मॉडल्स बिखेरा भारतीय संस्कृति का सौंदर्य

ग्लैमरस किंग एंड क्वीन ऑफ छत्तीसगढ़-2025 बॉलीवुड एक्ट्रेस एलिना टुटेजा हुईं शामिल

उम्मीद की एक किरण फाउंडेशन द्वारा 'ग्लैमरस किंग एंड क्वीन ऑफ छत्तीसगढ़-2025 एवं वेरोनिका अवार्ड्स' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मंच पर बनारसी साड़ी में मॉडर्स रैंप वॉक करती नजर आईं। आयोजन में भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं सौंदर्य की खूबसूरत तस्वीर दर्शकों ने कैद की। यहां बॉलीवुड अभिनेत्री एलिना टुटेजा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रायपुर। फैशन शो में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने मंच साझा किया। इसमें मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और कार्यक्रम संचालिका उमा कुशवाहा उपस्थित रहीं। इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हजारों हैं, इन आंखों से वाबस्ता..गाने के साथ मिसेज कैटेगरी के पार्टिसिपेंट ने रैंप वॉक किया। जिन्होंने बनारसी साड़ी में बंगाली, नेपाली, गुजराती और मराठी ज्वेलरी से श्रृंगार कर आउटफीट तैयार किया। मंच साझा करते हुए प्रतिभागियों ने राज्यों की प्रमुख परंपरा को जीवंत करने का प्रयास किया और रैंप वॉक के दौरान अपनी अदाओं से दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।'

100 से ज्यादा मोरपंख से बना आउटफीट

फैशन शो के किड्स कैटेगरी में 7 वर्षीय सनाया साहू ने अपने अनोखे और आकर्षक परिधान से सभी का ध्यान खींचा। वह राष्ट्रीय पक्षी मोर की थीम पर तैयार किए गए परिधान में मंच पर उतरीं, जिसमें 100 से अधिक असली मोरपंखों का इस्तेमाल किया गया था। सनाया ने बताया कि यह ड्रेस मात्र 1 घंटे में तैयार किया गया है, जिसमें क्रिएटिविटी और भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों की झलक देखने को मिल रही हैं। इस दौरान मां दुर्गा, श्रीकृष्ण, छत्रपति शिवाजी महाराज बनकर प्रतिभागी शामिल हुए।

कंटेस्टेंट की अदाओं ने लूटी महफिल

ग्लैमरस किंग एंड क्वीन ऑफ छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर, कांकेर, दिल्ली, विशाखापटनम, कोरबा, भिलाई, दुर्ग, कोरबा और राजनांदगांव के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जो पहली बार मंच पर रैंप वॉक करते नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत मां काली की स्तुति और मनमोहक नृत्य के साथ हुई। रैंप वॉक में किड्स, मेल, मिस-मिसेज कैटेगरी के कंटेस्टेंट ने अपनी अदाओं से दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। जिन्होंने नमस्कार कर रैंप वॉक की शुरुआत की। प्रकाशिका और गुरप्रीत कौर मुख्य मेकअप आर्टिस्ट रहीं।

मैं छत्तीसगढ़ी फिल्म में भी काम करना चाहती हूं - एलिना

प्रेसवार्ता में बॉलीवुड अभिनेत्री एलिना टुटेजा ने कहा कि बलरामपुर टू बॉलीवुड न्यू फिल्म की शूटिंग छत्तीसगढ़ में हुई है। शूटिंग तीन साल पहले छत्तीसगढ़ी की प्राकृतिक सुंदरता के बीच हुई। यह मेरे जीवन का सबसे यादगार पल रहा। जो आने वाले कुछ दिनों में सिनेमाघरों में देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि बचपन से बॉलीवुड में एक्ट करने का सपना देखा था।ऐसे में माधुरी दीक्षित और मिथुन चक्रवर्ती मेरे आइडल हैं। मैं छत्तीसगढ़ी फिल्म में भी काम करना चाहती हूं।

सिटी इवेंट

अस्मिता कार्यक्रम में संभाग की 224 बालिकाओं ने लिया भाग

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में खेल को प्रोत्साहन देने खेलो भारत योजना शुरू की गई है, जिसमें बालिकाओं और लड़कियों के लिए विशेष रूप से अस्मिता के नाम से कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की भावनाओं के अनुरूप किकबॉक्सिंग छत्तीसगढ़ द्वारा सालेम स्कूल में आयोजित अस्मिता कार्यक्रम में रायपुर संभाग की लगभग 224 बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निर्मला मुंदडा ने पुरस्कार वितरण कर बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। विशेष अतिथि के रूप में अध्यक्ष छगन लाल मुंदडा, युवा मोर्चा के अमन ठाकुर, सालेम स्कूल के खेल प्रभारी दास बाबू, राजीव मुंदडा, कोच बाग सर सहित बड़ी संख्या में रेफरी और कोच उपस्थित थे। कार्यकारी अध्यक्ष तारकेस मिश्रा, सचिव आकाश गुरु दीवान ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

क्लींजिंग थैरेपी से मिलेगा दवामुक्त जीवन, कैम्प में एक्सपर्ट करेंगे इलाज

रायपुर। भागदौड़ भरी जीवनशैली ने लोगों को दवाओं के अधीन बना दिया है। कई ऐसी बीमारियां है, जिनसे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ में पहली बार क्लींजिंग थैरेपी के जनक डॉ. पीयूज सक्सेना और उनकी संयुक्त टीम के सहयोग से आगामी 11 से 13 अक्टूबर तक एयरपोर्ट के पास स्थित रजवाड़ा रिसॉर्ट में क्लींजिंग थैरेपी से राहत देने के लिए कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अभी तक यह कैम्प मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद जैसे शहरों में आयोजित किया जाता रहा है। पहली बार यह कैम्प रायपुर में लगाया जा रहा है। शनिवार को मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान सेवानिवृत्त उप संचालक और क्लींजिंग थैरेपी कैम्प के आयोजक अशोक पंचभाई ने यह जानकारी दी। आगे बताया कि इस कैम्प का उद्देश्य लोगों को दवामुक्त जीवन देना है।

रजिस्ट्रेशन के आधार पर मिलेगा प्रवेश

उन्होंने बताया कि दो दिन और तीन दिन के इस आवासीय कैम्प में रजिस्ट्रेशन के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए लोगों को रत्ना एसोसिएट्स, सी-258, वल्लभनगर में संपर्क करना होगा। इसके लिए लोगों को शुल्क देना होगा, जिसमें आवास और भोजन सहित सभी प्रकार की थैरेपी का लाभ मिलेगा। पंजीयन कराने के बाद कैम्प का हिस्सा बनने वाले लोगों के बीच होंगे। इस कैम्प में किडनी, लीवर, पैरासाइट्स और ज्वाइंट क्लींजिंग सहित 18 प्रकार की क्लींजिंग थैरेपी से प्राकृतिक और भरोसे के साथ इलाज की सुविधा डॉ. पीयूज सक्सेना से मिलने वाली है।

दो दिवसीय पारंपरिक व सांस्कृतिक रंगोली प्रशिक्षण शिविर का समापन

रायपुर। संस्कार भारती द्वारा टाउन हाल में आयोजित कला, संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति को समर्पित दो दिवसीय 'भू अलंकरण (रंगोली) प्रशिक्षण शिविर' का समापन रविवार को हुआ। इसमें पारंपरिक व सांस्कृतिक रंगोली कला प्रशिक्षक शामिल हुए। शिविर में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने 20 से अधिक प्रकार के पारंपरिक रंगोली डिजाइन कला को सीखने का प्रयास किया है। कार्यशाला में पुणे से संस्कार भारती के अखिल भारतीय भू अलंकरण प्रमुख रघुराज एवं मुंबई से प्रसिद्ध रंगोली कलाकार उमेश पांचाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को रंगोली की तकनीकी विधाएं, रंगों का संतुलन एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

प्रदेशभर के 35 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

समापन समारोह की अध्यक्षता संस्कार भारती महानगर अध्यक्ष शशांक शर्मा ने की। प्रथम सत्र में अध्यक्ष हेमंत माहुलिकर एवं संरक्षक योगेश अग्रवाल की उपस्थिति रही। वहीं, मंच संचालन प्रीतेश पाण्डेय द्वारा किया गया। समारोह में 35 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कलाओं को सहेजने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा। शिविर के पहले दिन रंगोली की प्राथमिक प्रशिक्षण दी गई, वहीं दूसरे दिन सभी प्रतिभागियों ने मिलकर खास रंगोली तैयार की। जिसमें प्रत्येक रंगों को शामिल किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक लोक गीत की प्रस्तुति भी प्रशिक्षकों के समक्ष साझा की।

विश्वकर्मा समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन में छलका उत्साह

रायपुर। पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में विश्वकर्मा मय-मनु कल्याण संघ ने युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा, लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा एवं अशोक बजाज के विशिष्ट आतिथ्य में सम्मेलन संपन्न हुआ। वरिष्ठ साहित्यकार एवं केन्द्रीय हिंदी सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य, डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग', बढ़ाई समाज के अध्यक्ष रमेश शर्मा, छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा मय-मनु कल्याण संघ अध्यक्ष राकेश शर्मा, झरिया लोहार समाज के अध्यक्ष मिलन विश्वकर्मा, फिल्म अभिनेत्री उषा विश्वकर्मा एवं अन्य सक्रिय सदस्य मंचस्थ रहे। इनकी उपस्थिति में समाज के युवक-युवती ने अपनी योग्यता और पारिवारिक स्थिति की जानकारी देते हुए अपनी हावी भी बताई।

बच्चों और युवाओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

विश्वकर्मा समाज की गतिविधियों एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन के महत्व को रेखांकित किया गया। डॉ. सुचित्रा शर्मा एवं रमेश शर्मा ने भी समाज को संबोधित किया। दो सत्रों में युवक-युवती परिचय के अलावा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी समाज के सदस्यों एवं बच्चों द्वारा दी गई। इसमें प्रदेश के पदाधिकारियों सहित प्रदेश एवं देशभर से आए आठ सौ से अधिक मय-मनु अर्थात बढ़ाई एवं लोहार जाति के लोग एकत्रित हुए। प्रथम सत्र में प्रतिभागियों के प्रति आभार अजय विश्वकर्मा एवं द्वितीय सत्र में आभार डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने व्यक्त किया।

दीपावली पर्व से पहले सराफा बाजार में रौनक, 1 लाख 20 हजार 600 रुपए तक पहुंचे सोने के दाम

त्योहार पर तोहफा : 14 और 18 कैरेट से अब डायमंड ज्वेलरी में 9 कैरेट गोल्ड का काम शुरू, कम बजट में लाइट ज्वेलरी

कार्नर न्यूज

रायपुर। दीपावली से पहले शहर के सराफा बाजार में रौनक लौट आई है। इस बार भी त्योहार को यादगार बनाने लोग गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी की खरीदारी कर रहे हैं। वर्तमान में दुकानों पर 10 ग्राम सोने की कीमत 1 लाख 20 हजार 600 रुपए है। अब महंगाई के बीच ज्वेलरी लाइववेट में तैयार की जाने लगी है। दुकानों में हैवी लुक और बजट फ्रेंडली ज्वेलरी तैयार की जा रही है। इससे लोग अपने बजट में ही आकर्षक और मनपसंद गहनों की खरीदी कर रहे हैं। साल का प्रमुख त्योहार दीपावली 18 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहा है। इसके चलते शहर के मुख्य बाजारों में अभी से रौनक दिखने लगी है, लेकिन लगातार बढ़ रही महंगाई से लोग सोने और डायमंड की ज्वेलरी खरीदने से पहले अपने बजट का खास ख्याल रख रहे हैं। सराफा दुकान संचालकों ने बताया कि अब खरीदार भारी-भरकम गहनों के बजाय लाइटवेट और बजट-फ्रेंडली ज्वेलरी की ओर बढ़ रहे हैं। दीपावली से पहले सराफा दुकानों में हल्की, स्टाइलिश और किफायती ज्वेलरी की मांग बढ़ने लगी है। जहां अंगूठी, कंगन, ब्रेसलेट, नेकलेस सेट और मंगलसूत्र जैसी डिजाइनर ज्वेलरी 9 कैरेट गोल्ड से ही तैयार की जा रही है।

पारंपरिक ज्वेलरी 7-8 ग्राम में तैयार

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विवाह के दौरान सबसे अधिक ट्रेडिशनल नेकलेस सेट की खरीदी की जाती है। इस दुकान में 22 कैरेट गोल्ड में ही तैयार किया जा रहा है। इसमें लगभग 7-8 ग्राम सोने का उपयोग किया गया, जो दिखने में हैवी लुक और खरीदी में लाइटवेट है।

डायमंड ज्वेलरी में नया कलेक्शन

- नेकलेस सेट - सवा लाख से शुरू
- बैंगल (25 ग्राम) - 60-70 हजार से शुरू
- ब्रेस्लेट (9-10 ग्राम) - 70 हजार से शुरू
- नोज पिन - 3-4 हजार से शुरू

9 कैरेट गोल्ड से कीमत होगी घटकर आधी

कोतवाली चौक स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक दिलीप लूनिया ने बताया कि अब तक 14, 18 कैरेट गोल्ड में डायमंड की ज्वेलरी तैयार की जा रही थी, लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण इस दीपावली 9 कैरेट गोल्ड में डायमंड की ज्वेलरी तैयार होगी, इससे करीब 90 हजार के गहनों की कीमत घटकर 45 हजार में सिमट जाएगी। दुकान पर कलर स्टोन के साथ डायमंड नेकलेस तैयार किया गया है, जो हैवी लुक के साथ क्लासी टच दे रहा है। नेकलेस में लगा स्टोन ज्वेलरी की खूबसूरती बढ़ा रहा, जो दिखने में हैवी लुक और कीमत में कम है।

रोज गोल्ड, स्टोन, मोतियों में तैयार नेकलेस सेट

कोतवाली चौक स्थित एटी ज्वेलर्स के संचालक त्रिलोक बरड़िया ने बताया कि दीपावली पर गोल्ड ज्वेलरी की खरीदी सबसे अधिक होती हैं। सोने की कीमतों में लगातार इजाफा होने से खरीदारों के लिए लाइटवेट ज्वेलरी में रोज गोल्ड, स्टोन, मोतियों के साथ नेकलेस तैयार किया जा रहा है, जिसकी खरीदी सबसे अधिक हो रही। रोज गोल्ड और मोतियों के साथ तैयार ये ज्वेलरी 10-15 ग्राम गोल्ड में तैयार की गई है, इसकी कीमत लगभग सवा लाख रुपए तय की गई।

सिर्फ 15 ग्राम में तैयार हो रही टेंपल ज्वेलरी

त्योहारी सीजन में पारंपरिक टेंपल ज्वेलरी के शौकीन, कम बजट में भी ज्वेलरी की खरीदी कर सकेंगे। आमतौर पर 40-50 ग्राम गोल्ड में तैयार होने वाली टेंपल ज्वेलरी को अब मात्र 15 ग्राम सोने में ही साउथ इंडियन रिच लुक के साथ तैयार किया जा रहा है। इसकी शुरुआती कीमत सवा दो लाख रुपए है। टेंपल ज्वेलरी में पशु-पक्षियों और देवी-देवताओं की नक्काशी की गई है, जो उसे दूसरी ज्वेलरी से खास बनाती है।

सिटी लाइव

मानवीय शिक्षा पर सात दिन चर्चा जीवन विद्या से मिलेगा समाधान

रायपुर। जिस तरह एक इंजीनियर और डॉक्टर शिक्षा के माध्यम से तैयार किए जा सकते हैं, वैसे ही एक अच्छा पति, एक अच्छा पिता, एक अच्छा मित्र, एक अच्छा व्यक्ति शिक्षा से तैयार किए जा सकते हैं। इससे व्यक्ति को समाधान, परिवार में समृद्धि, समाज में अभय और प्रकृति में सह-अस्तित्व लाया जा सकता है। हमारी पहचान अभी विजिटिंग कार्ड, व्यवसाय से है, जबकि हमारा व्यवसाय व्यवहार के लिए है। इन चारों आयामों में मानव के लिए पांच फीसदी व्यवसाय की जरूरत होती है, जबकि 95 फीसदी व्यवसाय पर ही ध्यान देते हैं। मानव संबंध से लेकर प्रकृति संबंध और क्लाइमेट चेंज जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जरूरी है।

हर दिन चार सत्र में शोधकर्ता बताएंगे समाधान

उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य से सात दिवसीय जीवन विद्या परिचय शिविर का आयोजन 7 से 13 अक्टूबर तक अग्रोहा धाम, छोकरानाला के पास किया गया है। इसमें प्रबोधक सोमदेव त्यागी होंगे। वे अभी तक 16 राज्यों में 300 जीवन विद्या शिविरों के माध्यम से हजारों लोगों को संबोधित कर चुके हैं। शिविर में भी व्यक्तिगत समस्याओं से लेकर पारिवारिक, सामाजिक और वैश्विक समस्याओं के समग्र समाधान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। संवाद के जरिए प्रतिभागियों से जीवन में सुखी और समृद्ध होने के सम्बन्ध में प्रतिदिन चार सत्रों में चर्चा होगी। इस कार्यशाला में कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है, यह पूरी तरह निःशुल्क है। केवल भोजन और आवास की सुविधा लेने पर सहयोग राशि ली जाएगी।

समाज लाइव

समाज का विकास करने, महिलाओं को एक सूत्र में बांधने होगा सम्मेलन

रायपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और वीरांगना संस्था द्वारा शहर के ठाकुर विघ्नहरण भवन सरोना में 6 अक्टूबर को दशहरा मिलन एवं महिला अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के प्रमुख राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को समाज से जोड़ना है। सभी महिलाओं को एकता के सूत्र में बांधने से समाज के विकास की भूमिका सुनिश्चित होगी। यह जानकारी रविवार को पत्रकार वार्ता में वीरांगना संस्था के साथ कमला देवी सिंह और नीतू सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि समाज की बेटियों को शिक्षा से जोड़ने को प्राथमिकता दी जाती है। कई बेटियों की पढ़ाई का भी खर्च महासभा और संस्था से जुड़ी महिलाएं निभा रही हैं।

हर क्षेत्र में बेहतर करने वालों का आज सम्मान

संस्था द्वारा कई सामाजिक हित से जुड़े काम किए जाते हैं। इनमें वृद्धाश्रम में गरम कपड़े, भोजन प्रदान करना, गौसेवा के साथ वृक्षारोपण, दिव्यांगजनों को जयपुर पैर देना भी शामिल हैं। वर्तमान दौर में लीक से हटकर काम करने वाली महिलाएं जैसे- बाइकर्स, खेल, विज्ञान, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में अनूठा काम करने वाली महिलाओं के साथ ही, इस वर्ष दसवीं - बारहवीं में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा, ताकि समाज के दूसरे बेटे-बेटियों का आत्मविश्वास बढ़े। इसके साथ ही 11 अक्टूबर को गोखरपुर में सम्मेलन की जानकारी समाज और संस्था के लोगों ने दी।

धर्म लाइव

मोह हटाकर मोक्ष का मार्ग दिखाता है सम्यक ज्ञान

रायपुर। विवेकानंद नगर में जारी नवपद ओलीजी की आराधना के सातवें दिन सम्यक ज्ञान पद की आराधना की गई। धर्मसभा में रविवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि ज्ञान आत्मा का गुण है। ज्ञान गुण की आराधना ऐसी होनी चाहिए, जिससे मिथ्या ज्ञान चले जाए और सम्यक ज्ञान प्रकट हो जाए। यही इस आराध्या का लक्ष्य है। सम्यक ज्ञान ही मोह हटाकर मोक्ष का मार्ग दिखाता है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि सम्यक ज्ञान के लक्ष्य को पाना और समझना ही मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बन जाता है। ज्ञान की आराधना हमें करनी है। ज्ञान की जागृति रहेगी तो अपने आप चारित्र्य सही हो जाएगा। अपने आप दर्शन प्राप्त होगा। तप सही हो जाएगा और कर्म निर्झरा हो जाएगी। बस विवेक की जागृति होनी चाहिए। इससे ज्ञान की प्राप्ति सहज होगी।

जागृति से ही मोक्ष मार्ग की चलेगी गाड़ी

सम्यक ज्ञान की साधना में ज्ञान भीतर से ही प्रकट होगा। गलत को गलत और सही को सही पहचान होनी चाहिए। आत्मा का अहितकारी ज्ञान मिथ्या ज्ञान है। आत्मा का हितकारी ज्ञान सम्यक ज्ञान है। सम्यक ज्ञान को प्रकट कर इसकी जागृति रखना है। जागृति से ही मोक्ष मार्ग की गाड़ी रास्ते में अपनेआप चलेगी। राह में अपने आप समता, क्षमा, वैराग्य, सहनशीलता आएगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि ज्ञान जागृत होगा तो सभी कर्म के उदय परास्त होंगे। ज्ञान जागृति के साथ कर्मों की निर्झरा के साथ मुक्ति हो जाएगी। गृहस्थ जीवन में रहकर हमें आत्म कल्याण की साधना करनी है।

अवधपुरी मैदान में बारिश के बीच उमड़ा आस्था का सैलाब, पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने सुनाई श्रीमंत हनुमंत कथा

बागेश्वर धाम के आते ही गूंजा जयघोष, बोले - सुनने मात्र से कुछ नहीं होगा, कथा को आत्मसात करेंगे तो बदलेगी सूरत

गुढ़ियारी के दही हांडी उत्सव स्थल, अवधपुरी मैदान में बनाए गए चार डोम बारिश के बाद भी श्रीमंत हनुमंत कथा शुरू होने से पहले ही रविवार को श्रोताओं से सराबोर रहा। दोपहर एक बजे से ही कथा श्रोताओं की सक्रियता के बाद भी महज तीन घंटे में कथा स्थल पर आस्था का सैलाब उमड़ा। जैसे ही श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आसंदी के पास पहुंचे, श्रोताओं ने उनका बागेश्वर धाम का जयघोष करते हुए दूसरे दिन की कथा के लिए स्वागत किया।

रायपुर। पं. शास्त्री ने कथा की श्रृंखला में कहा कि जो माता - पिता और गुरु को प्रसन्न करें, वह भाग्यशाली होता है। लेकिन, जो परिवार व संस्कार को साथ लेकर चले वह भी भाग्यशाली है। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी, डिप्टी सीएम एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी भी भाग्यशाली हैं, जिन्हें हनुमंत कथा में आने का अवसर मिला।

तय समय सीमा में समाप्त होगा नक्सलवाद

डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने श्रद्धालुओं के बीच कहा कि अद्भुत हनुमंत कथा सौभाग्य से प्राप्त होता है। बागेश्वर धाम से स्वयं चलकर पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हम सबके बीच आए हैं। हजारों-लाखों की संख्या में रोजाना लोग कथा श्रवण करने के लिए आते हैं। छत्तीसगढ़ में होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए नक्सलवाद के विषय में जो कहा, यही हमारी ताकत है। बजरंग बली की प्रेरणा और आशीर्वाद से तय समय सीमा में नक्सलवाद समाप्त होगा, इसमें कहीं किसी को संशय नहीं है। उन्होंने हनुमंत कथा के आयोजन के लिए समाजसेवी बसंत अग्रवाल और उनकी टीम को बधाई और शुभकामना दीं। उन्होंने कहा कि जल्द ही कवर्धा का कार्यक्रम बने महाराजश्री से यही प्रार्थना है।

कथा में पधारे हनुमान जी महाराज

दूसरे दिन कथा समाप्ति से पहले कथा स्थल पर बाल स्वरूप में हनुमानजी पधारे तो कथा श्रवण करने पहुंचे सभी श्रद्धालु हनुमान के भजन में झूमने लगे। क्योंकि, कथा स्थल पर हनुमान का जन्मोत्सव मनाया गया। लोग तालियां बजाते हुए बाल हनुमान को बधाई दे रहे थे। केसरी के लाल मेरा छोटा सा.. भजन पर पूरा अवधपुरी मैदान झूम उठा। पं. शास्त्री ने कहा, सोमवार को दस महाविद्यालय पर चर्चा करेंगे। आज हनुमानजी प्रकट हो गए, यही बड़ी बात है। दोपहर 12 से दो बजे तक बालाजी सरकार का दिव्य दरबार सजेगा। जबकि, हनुमंत कथा दोपहर को 3.30 बजे शुरू होगी और शाम 6.30 बजे तक चलेगी।

मनुष्य तन खाने और सोने के लिए नहीं मिला

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा,धमतरी के महापौर जगदीश रामु रोहरा, आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू, जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, गौरी शंकर श्रीवास एवं आयोजक परिवार के सदस्य लक्खी प्रसाद अग्रवाल, चंदन -बसंत अग्रवाल, रितु - बसंत अग्रवाल परम भाग्यशाली हैं, जिन्हें श्रीमंत हनुमंत कथा करवाने का अवसर परमात्मा ने दिया। यह बात आरती और आसंदी पूजन के बाद श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा। पद को पाना बड़ी बात नहीं है, पद पर बैठकर उस पद का सदुपयोग और न्याय करना बहुत बड़ी बात है। हमें मनुष्य तन केवल खाने और सोने के लिए नहीं मिला, बल्कि कुछ करने के लिए मिला है। इसका जिसको बोध हो गया, वह भी भाग्यशाली है।

भगवान की भक्ति करके उनको प्राप्त करें

मनुष्य का तन केवल खाने-पीने में मत गुजार देना, नहीं तो मनुष्य और पशु में कोई अंतर नहीं रह जाएगा। पशु कोई सत्कर्म नहीं कर सकते, विचार नहीं कर सकते, राष्ट्र का भला नहीं कर सकते हैं। उसी प्रकार यदि हम भी राष्ट्र का भला नहीं कर पाए, हम भी सद्विचार ना ले पाए, भगवान का भजन नहीं कर पाए तो हम लोगों और पशुओं में कोई अंतर नहीं रह जाएगा। इसका उपाय यह है कि मनुष्य तन मिला है तो उससे भगवान की भक्ति करके उनकी कृपा प्राप्त करें। भगवान तो वैसे सब जगह है, लेकिन तीन-चार जगह ऐसे हैं जहां पर वह आसानी से मिल जाएंगे। पहली जगह - हनुमानजी, जहां रामजी की कथा होगी वहां हनुमान जी आ जाते हैं। जिन आंखों में वासना और ईर्ष्या को देखते हो, उन आंखों से हनुमान दिखाई नहीं देते हैं।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन और हस्तशिल्प से महकेगा त्योहार

स्वदेशी उत्पादों से सजेगा दीपावली बाजार, महिला समूह की तैयारी शुरू

रायपुर। पारंपरिक त्योहारों पर लोग अब स्वदेशी वस्तुओं को अपना रहे हैं। बाजारों में विदेशी सजावटी वस्तुओं की जगह स्वदेशी वस्तुओं ने ले ली है। बीते कुछ सालों से लोगों का रुझान स्वदेशी उत्पादों की ओर तेजी से बढ़ा है। इस बदलाव से कुम्हारों और महिला स्व-सहायता समूहों में खासा उत्साह देखा जा सकता है। दीपावली के अवसर पर महिला समूह मिट्टी और गोबर के दीपक, पारंपरिक पकवान, बांस और जूट से बनी सजावटी वस्तुएं, रंग-बिरंगे तोरण व पारंपरिक आभूषण तैयार कर रहे हैं। इससे बाजार में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की एक नई सुंदर छवि देखने को मिलेगी। हरिभूमि से बातचीत में सरकारी और निजी संस्थानों से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि इस वर्ष बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की मांग में बड़ा इज़ाफा देखने को मिलेगा। दीपावली पर बाजारों के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज और मेलों में भी स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई वस्तुएं प्रमुखता से नजर आएंगी, जिन्हें ग्रामीण और घरेलू महिलाएं परंपरागत तरीके से तैयार कर रही हैं।

हैंडमेड तोरण और पारंपरिक व्यंजनों से सजेगा बाजार

श्री राम महिला स्व सहायता समूह टिकरापारा की सचिव दीपा सोनी ने बताया कि समूह की महिलाएं लगभग 30 से अधिक प्रकार के व्यंजन और 20 से अधिक सजावटी वस्तुएं तैयार कर रही हैं। इसमें छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन (ठेठरी, खुरमी, चौसेला, लड्डू, मुठिया रोटी, अईरसा, करी, सोहारी), जूट, खादी से तैयार ज्वेलरी और सजावटी वस्तुएं तैयार कर रही हैं। दीपावली की तैयारी 15 दिन पहले से ही शुरू की गई। इस वर्ष हैंडमेड तोरण और लड्डू गोपाल के पोशाक बाजार में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा, जिन्हें समूह की 20 महिलाएं स्वयं तैयार कर रही हैं। सभी व्यजंन 5-5 किलो का तैयार किया जा रहा। वहीं, जूट की वस्तुएं 250-300 रुपए तय की गई।

त्योहार में मिठाई, कैंडल, ज्वेलरी, मिलेट्स, चॉकलेट

सोशल ऑर्गेनाइजेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन की संचालिका सुमन मुथा ने बताया कि संस्थान से लगभग 15 हजार ग्रामीण व शहरी महिलाएं जुड़ी हुई हैं। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले से 10-15 लोगों का समूह तैयार कर घरेलू महिलाओं को रोजगार दिया गया है। इस दीपावली मिठाई, कैंडल, ज्वेलरी, मिलेट्स, चॉकलेट, बैंबू आट्स तैयार किया जा रहा है। इस साल बाजार में स्वदेशी वस्तुओं की रौनक देखने को मिलेगी। ऐसे में प्रत्येक समूह की महिलाओं ने 50-60 किलो पारंपरिक पकवान, चॉकलेट तैयार किया है। दूसरी ओर बैंबू आट्स के लिए तीस से अधिक प्रकार के डिजाइनर डेकोरेशन की वस्तुएं सज रही हैं, जिसे भारी मात्रा में बनाया जा रहा।

घरेलू अचार की खुशबू से महकेगा दीपावली बाजार

आशा फूड्स संस्थान की संचालक आशा धीवर ने बताया कि दीपावली के दौरान स्कूल-कॉलेज और मेलों में लगने वाले स्टॉल में उनके द्वारा तैयार किए गए 15 से 20 प्रकार के अचार लोगों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। आमतौर पर लोग आम, नींबू और मिर्च के अचार पसंद करते हैं, लेकिन इस बार बाजार में आंवला, जिमीकंद, कटहल, लहसुन जैसे देसी और सेहतमंद विकल्प भी उपलब्ध होंगे। साथ ही नारियल और करी लड्डू, दही मिर्च, पापड़ और बड़ी जैसी परंपरागत व्यंजन भी भारी मात्रा में तैयार किया जा रहा। अब तक 50 किलो से अधिक अचार और छत्तीसगढ़ी व्यंजन तैयार किए जा चुके हैं, जो पूरी तरह घरेलू वस्तुओं से बना है। अचार की कीमत 400-600 रुपए तय की है।

चामुण्डा देवी मां दुर्गा का उग्र स्वरूप, साधना-सिद्धि प्रदाता

रायपुर। देश के अलग-अलग शहरों में ध्यान योग जन जागृति सेवा संस्थान द्वारा सत्संग साधना शिविर और कथा की जाती है। इस श्रृंखला में रायपुर शाखा द्वारा आयोजित चामुण्डा महाशक्ति महोत्सव सत्संग साधना शिविर में पहले दिन पुरानी बस्ती के महामाया मंदिर सत्संग भवन में भक्तिमय माहौल रहा। इसमें तत्व चिंतक, अध्यात्मविद, मंत्र तंत्र वेत्ता, दीक्षा-साधना और सिद्धि प्रदाता, समस्याओं के समाधानकर्ता ब्रह्मस्वरूप स्वामी कमलेश्वरानंद एवं ब्रह्मप्रिया नम्रता कमलिनी श्रीमुख से कथा श्रवण करने का अवसर लोगों को मिला। स्वामीजी ने बताया कि चामुण्डा देवी मां दुर्गा का ही एक स्वरूप हैं। साधना व सिद्धि प्रदाता देवी चामुण्डा महाशक्ति साधना दीक्षा से सर्व दुःख दोष दारिद्रय, भूत, प्रेत और शोक का नाश होगा। आध्यात्मिक उन्नति, सभी प्रकार से सुरक्षा और मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

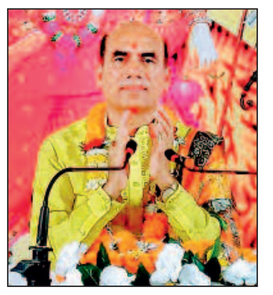

आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करने का मार्ग

चामुण्डा महाशक्ति आध्यात्मिक या अलौकिक शक्ति की प्राप्ति और पूर्णता है। यह दीक्षा साधक को देवी की शक्ति से जुड़ने और जीवन में आने वाली बाधाओं, शत्रुओं और नकारात्मक ऊर्जाओं पर विजय प्राप्त करने में मदद करती है। दीक्षा के माध्यम से गुरु शिष्य को चामुण्डा देवी के विशिष्ट मंत्रों, साधना पद्धतियों और अनुष्ठानों का ज्ञान देते हैं। यह दीक्षा साधक की आंतरिक चेतना को जागृत करने, भय से मुक्ति दिलाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस दो दिवसीय आयोजन में प्रवेश निशुल्क है। दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक शिविर संचालित होता है।

आज शरद पूर्णिमा पर घरों समेत चौक-चौराहों पर बनाई जाएगी खीर

कार्नर न्यूज

खुले में बनी खीर को हवा में घुला प्रदूषण बना सकता है जहरीला, मंदिरों में जालीदार ढक्कन से ढंककर रखेंगे प्रसाद

रायपुर। बदलते समय के साथ शहर में प्रदूषण का स्तर हर दिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में न दिखने वाले सूक्ष्म कार्बन और राख की परत शरद पूर्णिमा की खीर का स्वाद भी बिगड़ सकती है। परंपरानुसार खुले आसमान तले खीर बनाकर रातभर रखी जाती है, ताकि चांद की रोशनी से अमृतवर्षा की बूंदें खीर में शामिल हो सकें। लेकिन, खीर को बिना ढंके खुले आसमान तले रखने से चंद मिनटों में ही अमृतवर्षा के साथ हानिकारक कार्बन में खीर में जा सकते हैं, जिससे स्वादिष्ट खीर भी जहरीली हो सकती है। वर्तमान में शहर का वायु प्रदूषण स्तर पीएम 2.5 है, जिसे मामूली प्रदूषित बताया जा रहा है। हरिभूमि ने पर्यावरणविद समेत पुरोहितों से बातचीत की। मंदिरों में भी खीर के बर्तन को जालीदार ढक्कन की मदद से आसमान तले रखा जाएगा, ताकि हवा में घुले प्रदूषण का प्रभाव खीर पर न पड़े। पर्यावरणविद का कहना है कि अब शहर में रात के समय भी वायु प्रदूषण दिन की तरह ही होता है। हवा में धूल के कण अमृतवर्षा के साथ खीर में जा सकते हैं, लेकिन प्रयास करना चाहिए कि एक पॉलीथिन को बर्तन से ढंककर उसमें छोटे-छोटे छेद कर दें। इसकी मदद से खीर तक चंद्रमा की रोशनी से स्वच्छ अमृतवर्षा पहुंच जाएगी।

मंदिरों में जाली का करेंगे उपयोग

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर मंदिरों में बदलाव किए गए हैं। कचना स्थित मंदिर सुरेश्वर महादेवपीठ में इस बार खीर मंदिर परिसर की छत के नीचे बनाकर खुले आसमान तले रखी जाएगी। इस दौरान बर्तन को जालीदार ढक्कन से ढंककर रखा जाएगा, जिसमें छोटे छिद्र की मदद से अृमतवर्षा खीर तक पहुंचेगी। मंदिर के पुजारी स्वामी

राजेश्वरानंद का कहना है कि लोगों को बर्तन पर जालीदार ढक्कन का उपयोग करना चाहिए। घर के बाहर, पेड़ के नीचे या फिर सड़क किनारे खीर बना रहे हैं तो पूरे समय बर्तन को खुले में न रखें। खीर बनने के बाद कुछ समय के लिए खुले आसमान तले रखें। इसके अलावा जरूरी नहीं कि खुले आसमान के नीचे ही खीर बनाई जाए।

खीरे में सीधे अमृतवर्षा सेहत के लिए खतरनाक

शहर में सुबह व रात के समय ओस गिरनी शुरू हो चुकी है। पर्यावरणविद का कहना है कि शहर में वायु प्रदूषण अब काफी बढ़ चुका है। इस वजह से अगर अब खुले आसमान तले खीर रखकर सीधे अृमतवर्षा की बूंदें लेना चाहेंगे तो धूल के साथ कार्बन के सूक्ष्म कण भी उसमें चले जाएंगे। ये आंखों से दिखाई भी नहीं देते। प्रयास करना चाहिए कि ऐसी जगह पर खीर बनाएं, जहां सड़क या फिर पेड़ न हों। जितने समय खीर खुले आसमान तले रहेगी, वायु प्रदूषण खीर में बढ़ता जाएगा। शरद पूर्णिमा धार्मिक पर्व है। ऐसे में लोगों को भी ऐहतियात बरतने की आवश्यकता है, ताकि खीर का स्वाद और सेहत दोनों अच्छे रहें। परंपरानुसार खीर बनाकर कुछ घंटों के लिए चंद्रमा की शीतल रोशनी में रखी जाती है।

16 कलाओं से परिपूर्ण होता है चंद्रमा

शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा भी अपनी सभी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। इस रात को चांद से निकलने वाली किरणें अमृत समान होती हैं। इस रात को चंद्रमा अपनी 16 कलाओं के साथ पृथ्वी पर शीतलता, पोषक शक्ति एवं शांतिरूपी अमृतवर्षा करता है। इसलिए लोग शरद पूर्णिमा की रात को खीर बनाकर अपने घर की छत पर रखते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

सीबीएसई नेशनल फेंसिंग में रायपुर के खिलाड़ियों को तीन पदक

रायपुर। प्रथम राष्ट्रीय सीबीएसई स्कूल फेंसिंग (तलवारबाजी) का आयोजन रुद्रपुर उत्तराखंड के दिल्ली पब्लिक स्कूल में 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक किया गया। जहां संपूर्ण भारतवर्ष से सबजूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में एपी, फॉयल एवं सेबर इवेंट में 931 स्कूल के 1400 बालक/बालिका तलवाबाजो ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आदर्श इंटरनेशनल स्कूल नया रायपुर के विभिन्न आयु वर्ग में 8 बालक एवं 9 बालिका तलवारबाज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया हैं। प्रतियोगिता में स्कूल के लिए पहला पदक व्यक्तिगत इवेंट सेबर बालक वर्ग 19 आयु वर्ग में हेमंत पाण्डेय ने कांस्य पदक जीता।बालिका 14 वर्ष आयु में सैबर इवेंट में व्यक्तिगत मुकाबले सैयद कश्माला अली ने रजत पदक जीता। इसी इवेंट के टीम मुकाबले में सैयद कश्माला अली के नेतृत्व में यशस्वी मिश्रा और धनंजना साहू ने स्कूल के लिए कांस्य पदक अर्जित किये।टीम के मुख्य कोच प्रवीण कुमार एवं टीम मैनेजर लिखेश्वरी मानिकपुरी थीं। टीम की इस प्रथम और बड़ी सफलता के लिए शाला के प्राचार्य डॉ हरेंद्र पाल सिंह एवं शाला प्रबंधन ने बधाई दी है।

सेक्टर स्तरीय महिला कबड्डी में योगानंदम कॉलेज विजेता

रायपुर। शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से अन्तर महाविद्यालयीन कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन 04 अक्टूबर को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ किरण गजपाल थी। विशेष अतिथि डॉ रूपेंद्र चौहान खेल समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग, डॉ रामानंद यदु, डॉ प्रमोद मेने, डॉ प्रकाश बैद्य, वीरेंद्र जांगड़े साथ ही साथ विभिन्न महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी उपस्थित थे। प्राचार्य ने खिलाड़ियों को अच्छे खेल प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया एवं खेल को खेल भावना से खेलने हेतु मार्गदर्शन दिया। इस प्रतियोगिता में कुल 17 महाविद्यालय के कुल 165 खिलाड़ियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता के प्रथम सेमी फाइनल मैच पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय एवं शास दु ब महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीच हुआ जिसमें मेज़बान कॉलेज विजेता रही। द्वितीय सेमी फाइनल विप्र महाविद्यालय एवं शास जे योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें शास जे योगानंदम की टीम विजेता रही। फाइनल मैच में शास जे योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर विजेता रही। प्रतियोगिता द्वारा रायपुर सेक्टर की टीम का गठन किया गया। जो 06 अक्टूबर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता में भाग लेगी। जिसका आयोजन शासकीय दुधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा किया जाना है। यह जानकारी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ कर्मिष्ठ शंभरकर ने दी।

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग में कांस्य पदक

रायपुर। राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग स्पर्धा हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुआ, जिसमे के-1 इवेंट में सिमगा के सागर तुरकर व हरीश दुबे ने कांस्य पदक जीते। स्पर्धा में छत्तीसगढ़ कोच का प्रतिनिधित्व अमन सोनी, लोकिता चौहान, सर्वर एक्का, हिमांशु बारमाल, सत्यम साहू ,वरुण बाग, मनोज कसेरा ने किया व रेफरी प्रभात साहू थे। छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन लाल मुंदड़ा, संस्थापक तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

बास्केटबॉल के खिलाड़ी चयनित

रायपुर। सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 10 अक्टूबर तक परेड ग्राउंड इंडोर स्टेडियम देहरादून (उत्तराखंड) में चल रहा है में छत्तीसगढ़ प्रदेश की बालिका एवं बालक टीम के लिए बिलासपुर जिले से 5 खिलाडियों का चयन हुआ है। प्रशिक्षण शिविर में चयनकर्ताओं ने बालक एवं बालिका वर्ग से अंतिम 12-12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है जिसमे जिले से शिविर में 6 खिलाड़ियों का चयन किया गया था। राज्य टीम में एरिक सूर्यवंशी, सूर्य प्रताप सिंह, लुकमान खान (बालक वर्ग) एवं परी पासवान, मीमांसा साहू (बालिका वर्ग) शामिल है।

तकलीफ होने पर नतीजे में पहुंचने से पहले परीक्षण कराएं

छाती में दर्द होना हर बार दिल का मामला नहीं होता गैस्ट्रो से लेकर मांसपेशियों तक की हो सकती हैं दिक्कतें

छाती में दर्द होने की समस्या काफी सामान्य है, इसके कई कारण हो सकते हैं। सांस के विकारों से लेकर, छाती में किसी प्रकार की चोट-संक्रमण या फिर हृदय स्वास्थ्य की समस्याएं इस तरह की दिक्कतों का कारण हो सकती हैं। आमतौर पर इस प्रकार के दर्द को हृदय रोगों की समस्या मान लिया जाता है, पर हर बार ये हृदय रोगों के कारण ही हो रही हो ये जरूरी नहीं है। इसकी कई और वजहें हो सकती हैं जिनपर भी ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। क्या आपको भी अक्सर छाती में दर्द होने की समस्या रहती है? अगर हां तो इस बारे में किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ से मिलकर स्थिति का सही निदान जरूर करा लें। कुछ मामलों में ये गंभीर स्थिति हो सकती है जिसका समय रहते उपचार किया जाना जरूरी होता है।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं

कई प्रकार की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्थितियां सीने में दर्द का कारण बन सकती हैं। गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) वाले रोगियों में ये समस्या होना काफी सामान्य है। यह पेप्टिक अल्सर, गैस्ट्रिटिस या ऐंठन का भी कारण बन सकती है। चूंकि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हृदय रोग, दोनों स्थितियों में होने वाले छाती के दर्द में लक्षण बहुत हद तक एक जैसे ही होते हैं, इसलिए लोगों में इसको लेकर कंफ्यूजन हो सकता है।

पैनिक अटैक की स्थिति

पैनिक अटैक, मानसिक स्वास्थ्य के विकारों जैसे स्ट्रेस और एंग्जाइटी के कारण बढ़ सकती है, इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ आपको छाती में दर्द महसूस हो सकता है। तनाव के प्रति शरीर की इस प्रतिक्रिया से मांसपेशियों में तनाव, श्वास और सीने में जकड़न होने लगती है। चिंता या घबराहट का अनुभव करने वाले लोगों में ये दिक्कत अधिक देखी जाती रही है, इसका समय पर निदान और उपचार आवश्यक है।

मस्कुलोस्केलेटल समस्याएं

छाती में होने वाला दर्द हर बार हृदय रोगों के कारण हो ये जरूरी नहीं है, कुछ स्थितियों में ये मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं का भी संकेत हो सकती है। इस स्थिति में

मांसपेशियों, हड्डियों, टेंडन, लिगामेंट्स और अन्य संरचनाओं में दिक्कत होने लगती है। इन स्थितियों में सीने में दर्द मुख्य रूप से छाती और ऊपरी पीठ हिस्से में अधिक होता है। भारी सामान उठाने या ज्यादा मेहनत वाले काम करने की स्थिति में ये दर्द बढ़ने लगता है।

हृदय रोगों में छाती का दर्द होना

सीने में दर्द होने को सामान्यतौर पर हृदय रोग की समस्या मान लिया जाता है। हार्ट की समस्याओं में छाती में होने वाला दर्द हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकता है। हार्ट अटैक की स्थिति में भी इस तरह का दर्द होना काफी सामान्य लक्षण हो सकता है। हार्ट अटैक गंभीर और जानलेवा स्थिति है, जिसमें तुरंत डॉक्टरी सहायता और उपचार प्राप्त करना जरूरी हो जाता है।

दिमाग रहता है अशांत तो शुरू करें इन योगासनों का अभ्यास

कई बार काम के तनाव, कमजोरी या अन्य कारणों से लोगों का मन व मस्तिष्क थकावट महसूस करता है। अक्सर ऐसा होता है कि आपका काम में मन नहीं लगता और दिमाग में कई तरह के विचार आते हैं, जिससे आपका दिमाग अशांत हो सकता है। तनाव के कारण भी इस तरह की समस्या होती है। अनिद्रा की शिकायत होने पर भी मन अशांत हो जाता है। अगर इस तरह की समस्या से आप भी ग्रसित हैं तो मन और दिमाग को शांत करने के लिए आपको योगासन का अभ्यास करना चाहिए। योग से दिमाग शांत रहता है। तनाव कम होता और अनिद्रा की समस्या से राहत मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है। ऐसे में तनाव और अनिद्रा की शिकायत से राहत पाने के लिए और दिमाग को शांत रखने व एकाग्रता के लिए नियमित इन योगासनों का अभ्यास करें।

वृक्षासन का अभ्यास–इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने घुटने को मोड़ते हुए दाहिने पंजे को बाएं जांघ पर रखें। अब पैर के तलवे को जांघ के ऊपर

सीधा रखें। इसके बाद बाएं पैर को सीधा रखते हुए संतुलन बनाएं। गहरी सांस लें और नमस्कार की मुद्रा मे रहें। इस दौरान रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सांस छोड़ते समय शरीर को ढीला छोड़ते जाएं। अब हाथों को नीचे लाएं। फिर दाएं पैर को भी सीधा करें। पहले वाली मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब बाएं तलवे को दाहिनी जांघ पर रखकर आसन को दोहराएं।

पश्चिमोत्तानासन –दिमाग की शक्ति बढ़ाने के लिए इस योगासन को फायदेमंद माना जाता है। एकाग्रता को सुधारने, तनाव दूर करने और दिमाग शांत रखने के लिए नियमित इस योगासन का अभ्यास करें।

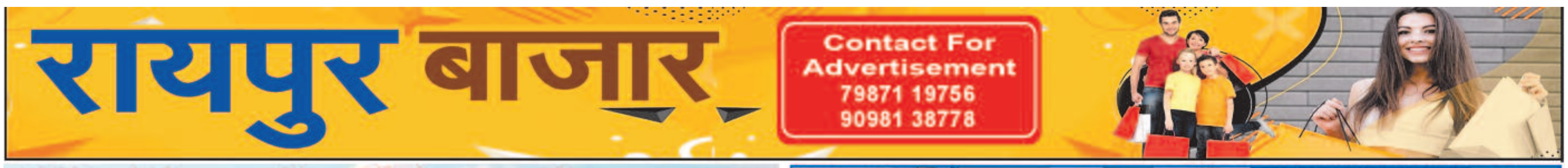

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सेलेना और बेनी की शादी की मची धूम सोशल मीडिया पर मिल रहे लाइक्स

सेलेना गोमेज ने अपने बॉयफ्रेंड बेनी ब्लैंको के साथ 27 सितंबर को कैलिफोर्निया में शादी कर ली। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। दो साल एक-दूसरे साथ रहने के बाद 33 साल की सेलेना और 37 साल के गीतकार बेनी ब्लैंको ने यह फैसला किया। सेलेना गोमेज ने साल 2023 के आखिर में इस बात की पुष्टि की थी कि वह गीतकार और संगीतकार बेनी ब्लैंको के साथ रिश्ते में हैं। दोनों ने दिसंबर 2024 में सगाई की थी। इसके बाद से दोनों कई मौकों पर साथ नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। सेलेना गोमेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं। एक तस्वीर में दोनों एक दूसरे को प्यार से पकड़ कर खड़े हैं। एक दूसरी तस्वीर में दोनों ने एक दूसरे का हाथ पकड़ा हुआ है। एक और तस्वीर में बेनी ब्लैंको सेलेना की गोद में लेटे हुए हैं। अपनी शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए सेलेना गोमेज ने कैप्शन में शादी के दिन की तारीख लिखी है। उन्होंने लिखा है '9.27.25'। पोस्ट पर बेनी ब्लैंको ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है 'असल जिंदगी में मेरी पत्नी'। अपनी शादी से पहले सेलेना गोमेज ने मेक्सिको में अपनी बैचलर पार्टी मनाई, जबकि ब्लैंको ने लास वेगास में अपनी पार्टी मनाई। गायिका और उनके दोस्तों को 23 अगस्त को एक लग्जरी याट पर नाचते, हंसते और धूप सेंकते हुए देखा गया। ब्लैंको ने सिन सिटी में अपनी बैचलर पार्टी की कुछ झलकियां साझा कीं। वह स्पा में आराम कर रहे थे। सेलेना के पति बेनी ब्लैंको अमेरिकन गीतकार, रिकॉर्ड प्रोड्यूसर और संगीतकार हैं।

टॉलीवुड

प्रशांत और जूनियर एनटीआर की फिल्म का टाइटल 'ड्रैगन आ रहा है...' के साथ

जूनियर एनटीआर की फिल्मों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह रहता है। फैंस बेसब्री से उनकी फिल्मों का इंतजार करते हैं। अब जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की आगामी फिल्म का टाइटल सामने आ गया है। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की आगामी फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फैंस इस फिल्म के बारे में कोई अपडेट चाह रहे थे। 'केजीएफ' और 'सालार' के निर्देशक प्रशांत नील ने जबसे जूनियर एनटीआर के साथ अपनी फिल्म की घोषणा की थी, तबसे ही फैंस इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसक फिल्म के बारे में कोई अपडेट चाह रहे थे। अब दशहरा के अवसर पर प्रशांत नील ने फिल्म का टाइटल रिवील कर दिया है। प्रशांत नील ने अपने एक्स अकाउंट पर जूनियर एनटीआर की एक मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर की है। पीछे एनटीआर की आंखों की तस्वीर भी दिख रही है। इसके साथ ही लिखा है, 'ड्रैगन आ रहा है।' इससे साफ है कि प्रशांत और एनटीआर की फिल्म का नाम 'ड्रैगन' है। प्रशांत नील ने जब इस फिल्म की घोषणा की थी, उसके बाद से ही फैंस इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। इस फिल्म के भारी-भरकम बजट में बनने की उम्मीद है। हालांकि, यह फिल्म अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है। जूनियर एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर फैंस उम्मीद कर रहे थे कि इस फिल्म को लेकर कोई अपडेट या एनटीआर का लुक सामने आएगा। लेकिन मेकर्स ने 'वॉर 2' के टीजर के चलते इसे टाल दिया था। अब दशहरा के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का टाइटल रिवील किया है। जूनियर एनटीआर के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे।

भोजपुरी

संजना की 'नईहर ससुराल' का ट्रेलर जारी, छलक जाएंगे दर्शकों के आंसू

भोजपुरी एक्ट्रेस संजना पांडे की फिल्म 'नईहर ससुराल' का ट्रेलर 3 अक्टूबर को रिलीज कर दिया गया है। इसमें एक बहू की कहानी है, जिसकी दो शादियां होती हैं। पहली शादी में पति की मौत के बाद ससुरालवाले उसे जीना हराम कर देते हैं। दूसरी शादी में भी सास कलेश करती है। संजना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'ट्रेलर आ गया है, यूट्यूब चैनल पर जाकर देख सकते हैं'। इस ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। संजीव बोहरपी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजना पांडे मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ विनीत विशाल, साहिल खान, स्लेशा मिश्रा, विद्या सिंह, सुजान सिंह, सत्य प्रकाश, प्रेम दुबे, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी, भूपेंद्र सिंह, प्रिया दीक्षित, स्वस्तिका, गौरांसी, सौर्य और आयन जैसे प्रतिभाशाली कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की कहानी को सत्येंद्र सिंह ने लिखा है, जबकि सिनेमैटोग्राफी का जिम्मा समीर सैयद ने संभाला है। 'नईहर ससुराल' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके पति का देहांत हो जाता है। इसके बाद उसे और उसकी दोनों बच्चियों को ससुराल वाले प्रताड़ित करते हैं और घर का सारा काम करवाते हैं, जिसे देख उसके मायके वाले उसे और उसकी दो बेटियों को अपने साथ ले जाते हैं। कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब परिवार उसकी दूसरी शादी करवाता है।

लाइफ स्टाइल

न्यूयार्क की शाम

> शानदार प्लेड, फुल स्कर्ट, आलीशान बाहरी वस्त्र सौंदर्यबोध के कई प्रतीक न्यूयार्क फैशन वीक के रनवे पर दिखाई दिए। राल्फ लॉरेन, इसाबेल मैरेंट और पटौ जैसे मॉडल यहां छाये रहे। यहां लगभग हर ब्रांड ने अपना नया लुक जारी किया। इन्हें भरपूर सराहना मिली।

साड़ी की प्लीट्स को सेट करने के कुछ आसान हैक्स, आपके लुक में डाल देंगे जान

साड़ी को ड्रेप करने के कई तरीके होते हैं। ठीक उसी तरह से साड़ी की प्लीट्स बनाने के लिए भी कई तरीके होते हैं, जिन्हें डॉली जैन काफी विस्तार से बता रही हैं। साड़ी के डिजाइन से लेकर ड्रेपिंग स्टाइल तक आपको काफी चीजें सोशल मीडिया पर आसानी से मिल जाएंगी। साड़ी को बांधने के लिए सही तरीके से उसकी प्लीट्स बनाना बेहद जरूरी होती है। वहीं साड़ी पहनना कई लोगों के लिए बेहद आसान होता है, तो कई लोगों के लिए ये काफी मुश्किल टास्क भी कहलाता है। इसी बीच फैशन एक्सपर्ट डॉली जैन ने अपने सोशल मीडिया पर साड़ी की प्लीट्स बनाने के आसान तरीके अपने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं, जिनकी मदद लेकर आप आसानी से साड़ी बांध सकती हैं और साड़ी लुक को आकर्षक बना सकती हैं।

साड़ी की प्लीट्स बनाने का पहला आसान तरीका

साड़ी की प्लीट्स बनाने के लिए आपको अपने अंगूठे, इंडेक्स और बीच की उंगली की सहायता लेनी चाहिए। इसके बाद अंगूठे की मदद से एक-एक प्लीट्स बना लें। प्लीट्स बनाने के लिए आप जल्दबाजी बिल्कुल भी न करें अन्यथा ये खुल जाएंगी। बता दें कि इस तरह से प्लीट्स बनाने पर आपको इसे ज्यादा सेट करने की आवश्यकता नहीं होगी। इन्हें सेट करने के लिए आप सेफ्टी पिंस की सहायता ले सकती हैं।

साड़ी की प्लीट्स बनाने का दूसरा आसान तरीका

साड़ी की प्लीट्स बनाने के लिए आपको अंगूठे और हाथों की सबसे छोटी उंगली का सहारा लेना होगा। इसके लिए आप इन दोनों उंगलियों की सहायता लेकर प्लीट्स बनानी चाहिए। बता दें कि आराम से ही आप अपनी कलाई को घुमाये ताकि एक-एक प्लीट्स सही तरीके से साफ नजर आए। प्लीट्स बनाने के बाद आप अच्छी तरह से प्लीट्स को एक-एक करके सेट कर लें।

साड़ी की प्लीट्स बनाने का तीसरा आसान तरीका

इसके लिए आपको अपने हाथों की उंगलियों के साथ-साथ अपने पेट की भी सहायता लेनी होगी। बता दें कि आपका पेट एक बेस की तरह काम करेगा और फिर आप अपनी उंगलियों की सहायता लेकर प्लीट्स बना सकती हैं। इसके बाद साड़ी प्लीट्स को एक साथ सेट करके आप साड़ी के अंदर बांध लें।

कपड़ों की स्मार्ट शॉपिंग करने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो

कपड़े ऐसी जरूरत हैं, जिन्हें हमें समय-समय पर खरीदना होता है। कभी कपड़े हमें टाइट व छोटे हो जाते हैं तो कभी वे पुराने व बेकार हो जाते हैं। ऐसे में हम उन्हें रिटायर कर देते हैं और अपने लिए नए कपड़े खरीदते हैं। इतना ही नहीं, कभी-कभी हम लेटेस्ट ट्रेंड व फैशन को देखते हुए भी कपड़े खरीदते हैं। सीजन बदलने पर भी कपड़े खरीदना बेहद आम बात है। हम सालभर में कई बार कपड़े खरीदते हैं। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि इन कपड़ों को खरीदने के लिए आप कितना पैसा खर्च कर रहे हैं। अक्सर इस ओर किसी का ध्यान नहीं जाता है, लेकिन कपड़े खरीदने के चक्कर में हम काफी सारे पैसे यूं ही वेस्ट कर देते हैं। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि कपड़ों की स्मार्ट शॉपिंग नहीं करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जो कपड़ों की स्मार्ट शॉपिंग करने में आपकी मदद करेंगे-

बेसिक्स में करें इनवेस्ट

अगर आप सच में कपड़ों की स्मार्ट शॉपिंग (स्मार्ट शॉपिंग) करना चाहती हैं तो आपको बेसिक्स में इनवेस्ट करना चाहिए। मसलन, आप एक व्हाइट शर्ट खरीद सकती हैं। जिसे आप जींस के साथ पेयर करके केजुअल लुक क्रिएट कर सकती हैं। वहीं, ब्लैक पैंट या स्कर्ट के साथ पहनकर ऑफिस जा सकती हैं। इसी तरह, पार्टी में भी इंडो-वेस्टर्न लुक में व्हाइट शर्ट को पहना जा सकता है। इस तरह एक ही पीस कई तरह से स्टाइल हो जाएगा और आपको हर ओकेजन के लिए अलग से शॉपिंग करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ऑफ सीजन सेल में करें शॉपिंग

कपड़ों की स्मार्ट शॉपिंग करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप ऑफ सीजन सेल में शॉपिंग करें।

फेसवॉश के समय भूलकर भी न करें ऐसी गलतियां

आप कहेंगे, ऱ्मैं अपना चेहरा रोज धोता हूंऱ सुबह से लेकर शाम तक न जाने हम कितनी बार अपना चेहरा धो लेते हैं लेकिन, बावजूद इसके चेहरे पर कोई खास फर्क नजर नहीं दिखाई देता है। 10 में से 7 पुरुष हर रोज फेस वॉश करते समय कई गलतियां करते हैं। जैसे फेश वॉश को चुनने में गलती, कैसे उसे इस्तेमाल करना है इत्यादि। यहां जानें फेश वॉश से जुड़ी दिलचस्प बातें। अपना फेस वॉश चुनना सच में काफी मुश्किल काम है। फेश वॉश लेने से पहले आपको अपनी त्वचा का निरीक्षण करना चाहिए। यह जानिए कि आपकी स्किन किस प्रकार की है। डॉक्टर से राय लें ताकि आप अपने चेहरे पर जो फेश वॉश लग रहा है वह कितना आपके लिए लाभदायक है। नॉर्मल से ड्राइ स्किन वाले पुरुषों को हाइड्रेटिंग और क्रीमी फेस वॉश लगाना चाहिए। वहीं ऑयली और मिक्सड टेक्सचर त्वचा वाले लोगों को फोम वॉश या जेल क्लीन्जर आजमाना चाहिए और याद रखें आपके फेस वॉश का जेल फॉर्म में हो लेकिन झागदार हो। त्वचा के गर्म और ठंडा दोनों ही किस्म का पानी हानिकारक होता है। जब भी आप अपना चेहरा धोएं जो पानी का तापमान जरूर ध्यान में रखें क्योंकि, गर्म पानी से आपकी स्किन को नुकसान होगा तो ठंडा पानी इसे और ड्राइ बना देगा। अक्सर हम चेहरा धोते हुए क्या करते हैं कि फेश वॉश हाथ में लेते हैं और झट से चेहरे पर रगड़ लेते हैं और तुरंत ही धो लेते हैं। यही आपकी पहली गलती है। जी हां, चेहरा धोते समय आप फेश वॉश को लें और हल्के हाथों से इसे लगाते हुए मसाज करें। कुछ मिनटों के लिए इसे छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से इसे धोएं। इससे फेश वॉश में मौजूद गुण आपकी स्किन में आसानी से जा पाएंगे।

ब्लाउज की स्लीव्स के डिजाइंस आजमाएं, नहीं दिखेगा आर्म फैट

अपने लुक को आकर्षक बनाने के लिए स्टाइलिंग को अपनी बॉडी टाइप के हिसाब से चीजों को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक से इंस्पायर हो सकती हैं किसी भी लुक में चार चांद लगाने के लिए उसकी स्टाइलिंग सही तरीके से करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आपको लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करना चाहिए। लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के साथ-साथ आपको अपनी बॉडी के आकार का भी खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है ताकि आपका लुक आकर्षक नजर आए। अक्सर ब्लाउज खरीदते समय हम अपनी बाजू के फैट को छुपाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए परफेक्ट डिजाइन का ब्लाउज नहीं खरीद पाते हैं। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं ब्लाउज की स्लीव्स के कुछ खास डिजाइंस जिनकी मदद से आप आसानी से आर्म फैट को छुपा पाएंगी और अपने लुक को आकर्षक बना पाएंगी।

ऑफ शोल्डर स्लीव्स

वैसे तो ऑफ शोल्डर में कई डिजाइन आपको आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप स्टेटमेंट लुक पाना चाहती हैं तो ड्रैप स्टाइल वाले ब्लाउज को स्टाइल कर सकती हैं। लुक को कम्प्लीट करने के लिए आप किनारी लेस लगवा सकती हैं। इस तरह का ब्लाउज आप स्कर्ट से लेकर साड़ी तक के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

पर्ल चैन स्टाइल ब्लाउज

अगर आप स्लीवलेस डिजाइन के ब्लाउज को पहनना चाहती हैं तो इस तरह से पर्ल डिजाइन की चैन लगा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

पुरुषों के लिए बेस्ट मेकअप ट्रेंड और प्रोडक्ट जानना बेहद जरूरी

जमाना पुरुषों के मेकअप का भी है, बाजार में हाजिर है आपके लिए जरूरी प्रोडक्ट

मेकअप पर सिर्फ महिलाओं का एकाधिकार खत्म हो चुका है। अब मेकअप वाला ट्रेंड पुरुषों की लाइफस्टाइल में भी एंट्री कर चुका है। ये एंट्री कुछ ऐसी हुई है कि बड़े शहरों के ज्यादातर पुरुष अब मेकअप ट्रेंड फॉलो करते हैं। 2023 में पुरुषों का मेकअप ट्रेंड ऐसा है जो उनके लुक को सच में बेहतर बनाएगा। पुरुषों के लिए इन मेकअप ट्रेंड को आप भी जानिए ताकि आपको भी अपने लुक पर मिलें फुल मार्क्स।

आइब्रो की ग्रूमिंग

मेकअप के ढेरों ट्रेंड आने के बाद भी आइब्रो के मेकअप पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है। बाकी चेहरे पर भले ही महंगे प्रोडक्ट लगा लिए जाएं लेकिन आईब्रो ऐसी ही रह जाती है। ऐसा महिलाओं के साथ भी होता है। फिर जब बात पुरुषों की हो तब तो इसे भूल ही जाइए। लेकिन 2023 का ट्रेंड ये कहता है कि पुरुषों को मेकअप करते हुए अपनी आइब्रो के मेकअप पर भी ध्यान देना होगा। वो ब्रो पेंसिल से खाली जगहों को भर सकते हैं तो आइब्रो को शेप भी दे सकते हैं। इससे लुक में बहुत अंतर आ जाता है।

बीबी क्रीम

बीबी क्रीम ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जिसे लाइटवेट फाउंडेशन, कंसीलर और मॉइस्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल क्या जा सकता है। इसको स्किन कलर को ईवेन टोन दिखाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर स्किन में कोई दिक्कत है तो ये बीबी क्रीम उसको भी ढक लेती है। इसका फायदा ये भी होता है कि इस क्रीम को लगाने के बाद भी लगेगा ही नहीं कि मेकअप का इस्तेमाल किया गया है। नया ट्रेंड फाउंडेशन की जगह बीबी क्रीम को पुरुषों के साथ मेकअप के साथ जोड़ता है।

मस्कारा

अभी तक पुरुषों को मस्कारा लगाते नहीं देखा जाता था। लेकिन 2023 का ट्रेंड कहता है कि पुरुष भी अपने मेकअप में मस्कारा को जोड़ सकते हैं। इससे पुरुषों के लुक में पलकें भी पूरा योगदान देंगी। मस्कारे से पुरुषों की पलकों को काफी वॉल्यूम मिल जाता है। इसके साथ पुरुष ड्रामेटिक लुक के लिए काले और भूरे रंग में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

कंसीलर

पुरुष मेकअप करेंगे तो फाउंडेशन भले ही चुन लें लेकिन कंसीलर इस्तेमाल करने का तो सोचते भी नहीं होंगे। लेकिन पुरुषों के लिए 2023 का मेकअप ट्रेंड कहता है कि उन्हें भी कंसीलर जरूर इस्तेमाल करना चाहिए।